www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 193 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
05 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:00
सूर्यास्तः 05:49
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 23°00


पेज 07

विशेष समाचार
शिक्षकों पर है नई सृष्टि और... >>पेज 04
सीईसी के घर कालिख पोतने ... >>पेज 06
नुसरत भरूचा की सर्जरी ...

योगी बोले-गुलामी के समय एक तबका समाज को बांट रहा था, वह आज भी सक्रिय

‘विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देना है’

विमोचन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । सीएम योगी ने कहा- “हम कैसा भारत चाहते हैं? बिखरा हुआ भारत, बंटा हुआ भारत? जातीय खेमों में आपस में लड़ता हुआ भारत? याद रखना, अगर आप ऐसे भारत की कल्पना करते हैं तो हम अपने पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धा नहीं रखते हैं।”

उन्होंने कहा- हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत चाहिए। हम सबको मिलकर ऐसे भारत के लिए काम करना है। गुलामी के समय में भी एक तबका था, जो समाज को बांट रहा था। आज भी वो तत्व समाज को जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटकर देश की एकता को छिन्न-भिन्न कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि यह राष्ट्रमाता और भारत माता के प्रति अपराध है। यह अपने पूर्वजों के प्रति भी अपराध है। यह भारत की स्वाधीनता को फिर से खतरे में डालने की चेष्टा है। जब भी राष्ट्र के ऊपर ऐसा संकट दिखाई देता है, तब शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि इन विभाजनकारी ताकतों को किसी भी तरह सफल न होने दें।

>> (शेष पेज 06 पर)



कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी से गायत्री परिवार की एक स्मारिका का विमोचन किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह और विधायक राजेश्वर सिंह मौजूद रहे।



गायत्री शक्ति पीठ के प्रमुख डॉ. चिन्मय पांड्या ने सीएम योगी को लोटा दिया, रुद्राक्ष का माला पहनाया।

रावण या दुर्योधन से मिलने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं

अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रमुख डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती को एक नहीं, बल्कि दो-दो अवतारों को जन्म देने का सौभाग्य मिला है। यह उज्ज्वल गुरुदेव की जन्मभूमि और तपोभूमि रही है। काशी, प्रयाग, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या और अमरकंटक जैसे महान तीर्थों को धारण करने वाली यह भूमि ज्ञान, सूर्य भक्ति और पराक्रम की भूमि है। उन्होंने कहा कि आज जिस विषय ने हम सभी को यहां खींचकर लाया है, उसका समाधान किए बिना भारत के स्वर्णिम भविष्य की रचना संभव नहीं है।

आज के समय को वह देवासुर संग्राम की तरह देखते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि आज के असुर बाहर नहीं, बल्कि व्यक्ति के अंतरमन में मौजूद हैं। रावण या दुर्योधन से मिलने के लिए लंका या कुरुक्षेत्र जाने की जरूरत नहीं है।

शिक्षक समाज की चेतना और युगनिर्माता होते हैं

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षक समाज की चेतना होते हैं, युगनिर्माता होता है। जब शिक्षक जब जागृत होता है,अपने दायित्वों को ईमानदारी से निर्वहन करता है,तो भारत को विश्वगुरु बनने में देर नही लगेगी। भारत के श्रेष्ठ आचार्यों की परंपरा ने तक्षशिला, नालंदा जैसे विश्वविद्यालय दिये, गुरुकुलों की ही देन चाणक्य और चंद्रगुप्त थे। भारत के ऋषि परम्परा,गुरुकुल की ही देन महर्षि वशिष्ठ, श्रीराम, महर्षि संदीपन, कृष्ण इसी गुरुकुल से निकले। जब दुनिया अंधकार में थी तो हमारे यहां नालंदा तक्षशिला विश्वविद्यालय थे।

मनुष्य के पास धन सुविधा के साथ बेचैनी भी

डॉ. पंड्या ने कहा कि स्वार्थ और संकीर्णता फैशन बन गए हैं, जबकि धर्म, न्याय, नीति, मूल्य, सदाचार और निष्ठाएं अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करती नजर आती हैं। लोगों के मन में एक मंत्र बैठ गया है कि मेरी इच्छा पूरी हो, अभी हो, इसी समय हो और किसी भी कीमत पर हो। दूसरे का नुकसान करके भी अपनी इच्छा पूरी करने की सोच बढ़ रही है। व्यक्ति के पास आज सब कुछ है। धन और सुविधाएं हैं, लेकिन तनाव, बेचैनी, दुर्विचार और असंतोष भी है। सब कुछ पा लेने के बाद भी व्यक्ति अपने भीतर खोखलापन महसूस कर रहा है।

इन 10 स्कूलों को सीएम योगी ने मंच से सम्मानित किया

- सीता इंटर कॉलेज, सीतापुर
- चंद्रशेखर एम. पब्लिक स्कूल, रायबरेली
- लखनऊ पब्लिक स्कूल, लखनऊ
- डॉ. केएन मोदी विज्ञान इंटर कॉलेज, गाजियाबाद
- श्री सूर्यप्रताप इंटर कॉलेज, अमेठी
- अमर सिंह इंटर कॉलेज, बुलंदशहर
- चित्रकूट इंटर कॉलेज, चित्रकूट
- आशुतोष बृज मोहन लाल इंटर कॉलेज, सीतापुर
- एमजी पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर
- सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, लखनऊ



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

हमारी महान सनातन संस्कृति अतीत को स्मरण करने की परंपरा मात्र नहीं, अपितु अतीत से वर्तमान और वर्तमान से भविष्य को जोड़ने वाली जीवन-दृष्टि है। पितृ पक्ष इसी सनातन भाव की अभिव्यक्ति का अवसर है। *आश्विन कृष्ण प्रतिपदा (27 सितंबर) से प्रारंभ हुआ यह पवित्र पक्ष आश्विन कृष्ण अमावस्या, अर्थात् सर्वपितृ अमावस्या (10 अक्टूबर) के साथ पूर्ण होगा। इन दिनों श्रद्धा के माध्यम से हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं, तर्पण कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। पिंडदान हमें याद दिलाता है कि आज हम जो कुछ हैं, उसमें हमारे पूर्वजों के तप, त्याग, परिश्रम और संस्कारों का भी योगदान है।*

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता अपने उत्तरदायित्व को समझने का संस्कार भी है। ***हमसे पहले की पीढ़ियों ने हमें जो दिया, उसे संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों को उससे अधिक समृद्ध विरासत सौंपना हमारा धर्म है।*** *सतत विकास का यही भाव परिवार को पिरोता है, समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है तथा प्रदेश एवं राष्ट्र को नई ऊर्जा प्रदान करता है।*

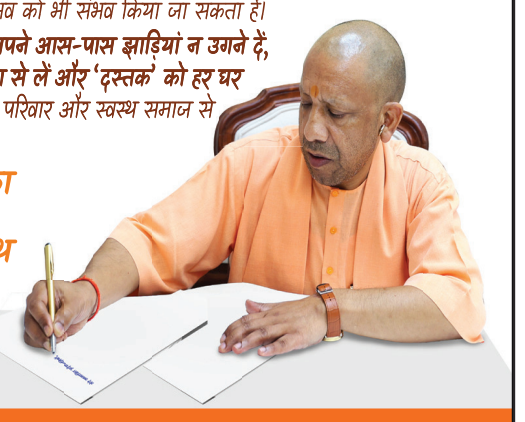
इतिहास में एक प्रसिद्ध प्रसंग वर्णित है। ***आगरा किले में अपने पुत्र औरंगजेब की कैद में रह रहे शाहजहां ने पानी के लिए व्यग्र होकर उसे पत्र लिखा था। शाहजहां ने पत्र में सनातन परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें दिवंगत पूर्वजों को भी जल अर्पित किया जाता है।*** *वहीं, क्रूर औरंगजेब ने जीवित पिता को भी जल के लिए व्याकुल कर दिया। यह प्रसंग हमें बताता है कि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा हमारी सनातन जीवन-पद्धति में कितनी गहराई से रची-बसी है।*

मेरा आप सभी से विशेष आग्रह है कि हम इस विरासत को केवल स्मरण तक सीमित न रखें, बल्कि अपने आचरण में उतारें। *परिवार के वृद्धजनों का सम्मान करें, बच्चों को अपने संस्कारों से परिचित कराएं तथा ज्ञान, सेवा और सदाचार की उस परंपरा को आगे बढ़ाएं जो पीढ़ियों को जोड़ती है और भविष्य को दिशा देती है।*

पूर्वजों से मिली स्वस्थ और सुरक्षित जीवन की विरासत को आगे बढ़ाना भी हमारा दायित्व है। हमारी सरकार प्रदेश के प्रत्येक परिवार के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ***इसी कड़ी में 1 से 31 अक्टूबर, 2026 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 से 31 अक्टूबर, 2026 तक दस्तक अभियान चलेगा।*** *स्वास्थ्यकर्मी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां और अन्य विभागीय कर्मी घर-घर पहुंचकर स्वच्छता, रोग-लक्षणों की पहचान और समय पर उपचार के लिए लोगों को जागरूक करेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कभी अभिशाप मानी जाने वाली इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन यह सिद्ध करता है कि समग्र प्रयास और जनभागीदारी से असंभव को भी संभव किया जा सकता है।*

आइए, स्वच्छता को अपनी दिनचर्या बनाएं, अपने आस-पास झाड़ियां न उगने दें, जलभराव न होने दें, बुखार जैसे लक्षणों को गंभीरता से लें और ‘दस्तक’ को हर घर में स्वास्थ्य-जागरूकता का अभियान बनाएं। *स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज से ही विकसित उत्तर प्रदेश का सपना साकार होगा।*

आपका
योगी आदित्यनाथ



सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
स्वच्छ प्रदेश-स्वस्थ प्रदेश

फास्ट न्यूज

दिल्ली में बुजुर्ग कपल को कार ने टक्कर मारी

नई दिल्ली। दिल्ली के किर्ती नगर में मॉर्निंग वॉक से घर लौट रहे एक बुजुर्ग कपल को क्रेटा कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसा आर्य समाज मंदिर के पास शुक्रवार सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर हुआ।

अरेस्ट सम्पर्क

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा नेवी जवान

कोयंबटूर । आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (CI) सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था।

प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था।

किड्स जोन में खेल रहे बच्चे को बेरहमी से पीटा

सूरत । गुजरात के सूरत की अलथाण सोसायटी में एक शख्स ने छोटी सी बात पर 9 साल के बच्चे को बेरहमी से पीट दिया। थप्पड़ों से बच्चा जमीन पर गिर गया। इसके बाद भी आरोपी ने उसे कई थप्पड़ जड़े, जिससे बच्चे के कान में गंभीर चोटें आ गईं। बच्चे की मां ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन

दिल्ली में भी आप, स्टूडेंट यूनियन सड़क पर उतरे

मार्च

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला।

उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है।

राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए SIR को रद्द किया जाए।



राज ठाकरे बोले- एसआईआर प्रक्रिया रद्द हो, हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं

सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

बीजेपी ने राज्यसभा के लिए 2 उम्मीदवारों की घोषणा की

नई दिल्ली। BJP की केंद्रीय चुनाव समिति ने रविवार को राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए अपने दो उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को टिकट दिया है। कोयल पहले TMC में थीं।

राज्यसभा की 12 सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की 10, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल हैं। 16 अक्टूबर को वोटिंग और काउंटिंग कराई जाएगी।

राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जिनमें 242 सीटें भरी हुई हैं और 3 खाली हैं। मौजूदा पार्टी स्थिति में BJP के पास 116 सांसद हैं। उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल हैं।

जयशंकर बोले-तब भारत के साथ रूस था, 70 साल में कश्मीर समेत 4 मसलों पर समर्थन किया

जब दुनिया पाकिस्तान के पीछे खड़ी थी : जयशंकर

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि जब पूरी दुनिया पाकिस्तान के साथ खड़ी थी, तब रूस ने भारत का साथ दिया। दिल्ली में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जयशंकर ने कहा कि, भारत-रूस के रिश्ते लंबे समय से अच्छे रहे हैं। नई दिल्ली के लिए मॉस्को के साथ रिश्ते सिर्फ आज की स्थिति से तय नहीं होते।

दरअसल रूस ने बीते 70 साल में कश्मीर समेत 4 अहम मसलों पर भारत का समर्थन किया है।

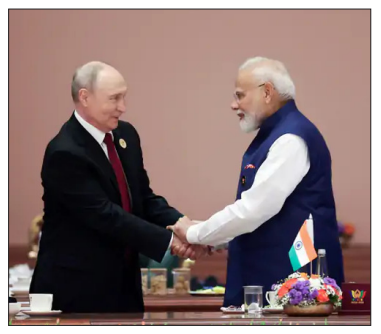


प्रस्ताव को 9 देशों का समर्थन मिला, लेकिन रूस (तब सोवियत संघ) ने वीटो कर दिया, इसलिए प्रस्ताव पास नहीं हुआ।

जयशंकर ने कहा कि भारत ने रूस और यूक्रेन दोनों से बातचीत की है।

>> (शेष पेज 06 पर)

20 फरवरी 1957 को ऑस्ट्रेलिया, क्यूबा, ब्रिटेन और अमेरिका ने कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव रखा था। इसमें कश्मीर में अस्थायी यूएन फोर्स भेजने के विचार को आगे बढ़ाने की बात थी।



मोदी BRICS समिट के दूसरे दिन 13 सितंबर को नई दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हाथ मिलाते हुए।

भारत ने रूस-यूक्रेन जंग रोकने पर बातचीत की

जयशंकर ने यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत का पुराना रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत, कूटनीति और समझौते का रास्ता अपनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार यही बात कह चुके हैं। उन्होंने 2022 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहा था कि आज का दौर युद्ध का नहीं है।

घोषणा : पेपरलीक रोकने के लिए बनेगा विशेष बल : अखिलेश यादव

‘2027 में सपा सरकार बनी तो सरकारी नौकरियों की गारंटी’

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को सरकारी नौकरियों की गारंटी देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया पारदर्शी होगी और हर साल होने वाली परीक्षाओं के लिए भर्ती कैलेंडर तैयार किया जाएगा। पेपरलीक की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष बल बनाया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

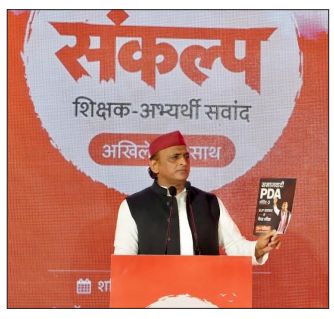
>> (शेष पेज 06 पर)



विश्वविद्यालयों में सुधार की जरूरत

सपा प्रमुख ने विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को एक विचारधारा के अड्डे बना दिया गया है और वहां गिरोह बन गए हैं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है, ताकि युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल सकें।

वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी करने का ऐलान



आउटसोर्सिंग खत्म कर पक्की नौकरी देने का दावा

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था को हमेशा के लिए समाप्त किया जाएगा। युवाओं को पक्की नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने शिक्षकों के बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की भी बात कही। उनका कहना था कि बिना रोजगार और नौकरी के किसी भी अर्थव्यवस्था का विकास संभव नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

घाव जल्दी भरें, इसलिए शहद लगाता था लश्कर कमांडर मूसा

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के यूसमर्ग में मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा गोली से हुए घावों पर शहद लगाता था। वह घाव जल्दी भरने और संक्रमण रोकने के लिए यह तरीका अपनाता था।

मूसा को 4 दिन पहले मध्य कश्मीर के बडगाम के यूसमर्ग में सेना ने मार गिराया। वह जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित लश्कर का मुख्य ऑपरेशनल कमांडर और 2025 के पहलगाम आतंकी हमले में शामिल था।

यह माना जाता है कि शुद्ध शहद के आयुर्वेदिक गुण घाव के टिशू रिकवरी को तेज करता है। साथ ही संक्रमण फैलने से भी बचाता है।

सितंबर में ही मारे गए एक और आतंकी यासिर के फोन में मूसा के घाव और शहद से इलाज की तस्वीरें मिली थीं।

तमिलनाडु समेत चार राज्यों में उपचुनाव के लिए प्रचार खत्म

सीएम विजय ने 40 किलोमीटर लंबा रोड शो किया

रोड शो

तमसा संकेत, एजेंसी

तमिलनाडु । मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का प्रचार रविवार को खत्म हो गया। दोनों सीटें SC के लिए आरक्षित हैं और यहां पांचतरफा मुकाबला है।

सत्तारूढ़ TVK के संस्थापक और मुख्यमंत्री जोसेफ सी. विजय ने धारापुरम में तीन घंटे से ज्यादा लंबा रोड शो किया। उन्होंने करीब 40 किमी की दूरी तय की और लोगों से छोटी मुलाकातें कीं।

4 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 6 सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। इनमें तमिलनाडु की 2, पश्चिम बंगाल की 2 और पुडुचेरी की 1 विधानसभा सीट शामिल है। इसके अलावा असम की 1 लोकसभा सीट भी शामिल है। निर्वाचन आयोग के नियम के मुताबिक, वोटिंग से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद कर दिया जाता है।

>> (शेष पेज 06 पर)



नंदीग्राम में शुभेंदु के पीए की मां को टिकट दी
रेजीनगर में ममता गुट ने प्रत्याशी उतारा

लखनऊ में घर-दुकान जलमग्न, सड़कों पर नाव चल रही, यूपी में मानसून विदा

मकान नदी में समाया, बाढ़ में फंसा बाघ

रामपुर में रविवार सुबह मौसम ने अचानक करवट बदली। सुबह करीब 5:30 बजे शहर और आसपास के इलाकों में कोहरे की चादर नजर आई। पिछले दिनों की अपेक्षा ठंड का असर भी ज्यादा महसूस हुआ।

दहशत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज । यूपी में 9 दिनों से बारिश नहीं हुई, लेकिन बाढ़ से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। बांधों से छोड़े गए पानी से नदियां उफान पर हैं। 11 जिलों में 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। रविवार सुबह-सुबह कई पेड़ और मकान नदी में समा गए। बाढ़ की वजह से गांव में बाघ घुस आया। गांव वालों में दहशत फैल गई।

लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से 40 हजार से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। 10 हजार लोग घर छोड़कर सुरक्षित



जगहों पर पलायन कर गए हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। गोमती रिवर फ्रंट जलमग्न है। अगले आदेश तक उसे बंद कर दिया गया है। ऐहतियातन फूड वैली को भी बंद कर दिया गया है।

इधर, रविवार सुबह से पूरे प्रदेश में मौसम साफ है। तेज धूप है। आज भी कहीं बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। मौसम विभाग (IMD) ने बताया- दक्षिण पश्चिम मानसून तय समय से 2 दिन पहले ही 3 अक्टूबर को वापस लौट गया। मानसून ने 12 दिन की देरी से 30 जून को यूपी में एंट्री की थी। यानी इस साल मानसून यूपी में 95 दिनों तक एक्टिव रहा। लखनऊ के फैजुल्लागंज में अचानक बाढ़ आ गई है। हालात गंभीर हैं। करीब 40 हजार से

बारिश थमी, फिर क्यों बढ़ रहा नदियों का जलस्तर?

ऊपरी इलाकों में बारिश का पानी नीचे आ रहा- नेपाल, उत्तराखंड और यूपी के ऊपरी जिलों में हुई तेज बारिश का पानी नदियों के जरिए मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है। इसलिए यूपी में बारिश रुकने के बाद भी नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। लखनऊ, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बहराइच, श्रावस्ती, सीतापुर, गोंडा और बाराबंकी जैसे जिलों में इसका असर ज्यादा है। बैराज और बांधों से छोड़ा जा रहा पानी- ऊपरी इलाकों में बारिश के कारण बैराज और जलाशयों में पानी बढ़ जाता है। ऐसे में अतिरिक्त पानी छोड़ा जाता है। यह पानी कुछ समय बाद यूपी की नदियों में पहुंचता है और जलस्तर बढ़ जाता है। इसका असर अयोध्या और गोरखपुर जैसे मैदानी जिलों में देखने को मिलता है। लखनऊ की गोमती नदी में पानी भी इसीलिए बढ़ता है।

ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। 3 लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हैं। 10 हजार से ज्यादा लोगों ने इलाका छोड़ दिया है। बाढ़ का पानी हर तरफ है, लेकिन पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। प्रशासन का दावा है कि करीब 40 नाव लगाई हैं। लेकिन, लोगों का कहना है कि नाव बहुत कम चल रही हैं। जो नाव चल भी रही हैं, उनसे लोग चोरी करने पहुंच रहे हैं।



नदी के मकान समाया

लखीमपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ा तो गांव में घुसा मगरमच्छ

उन्नाव में गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ नदी किनारे बसे गांवों में जंगली जीव-जंतुओं के निकलने का खतरा बढ़ गया है। शनिवार देर रात चंपापुरवा गांव में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया और आसपास के लोगों को सूचना दी।

गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर कल शक्ति प्रदर्शन

ध्रुव त्रिपाठी, अजय सिंह और राकेश सिंह भरेंगे पर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन प्रक्रिया में अब केवल दो दिन ही शेष बचे हैं। सोमवार, 5 अक्टूबर को महत्वपूर्ण नामांकन होने जा रहे हैं। इसमें पिछले चुनाव के विनर ध्रुव त्रिपाठी और रनर अजय सिंह शामिल हैं। इसके साथ ही राकेश सिंह भी अपना पर्चा दाखिल करेंगे।

सभी दावेदारों की ओर से नामांकन के दौरान ही अपनी ताकत दिखाने की तैयारी की गई है। भाजपा ने तीन बार से इस सीट से जीत दर्ज कर रहे ध्रुव त्रिपाठी को अपना प्रत्याशी बनाया है। जब से डा. संजयन त्रिपाठी न सपा जवाइन की है और सपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है, भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। ध्रुव त्रिपाठी के नामांकन के दौरान पार्टी के बड़े नेता उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही शिक्षक संगठन शर्मा गुट के बड़े नेता भी नजर आएंगे। इस बार भी ध्रुव त्रिपाठी और उनके समर्थक अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। इसके साथ ही 2020 के चुनाव में दूसरा स्थान पाने वाले अजय सिंह भी अपना नामांकन सोमवार को ही करेंगे। अजय सिंह ने भी लगातार 6 साल तक इस चुनाव के लिए तैयारी की है। इस बार जो राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं, अजय सिंह के समर्थक उनकी जीत पक्की मान रहे हैं।

एक अन्य शिक्षक संगठन के प्रत्याशी राकेश सिंह भी मजबूत लड़ाई का दावा कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

शादी का झांसा देकर 6 साल तक शोषण

गोरखपुर। गोरखपुर में एक महिला ने युवक पर शादी का झांसा देकर करीब छह साल तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि गर्भवती होने पर युवक और उसके परिवार वालों ने गर्भपात कराने की कोशिश की। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और शरीर में कील ठोक दी गई। महिला का आरोप है कि बाद में उसने एक बेटे को जन्म दिया, जिसकी उम्र अब चार साल है।

बाराबंकी पुलिस ने 105 गुम मोबाइल फोन बरामद किए

बाराबंकी । बाराबंकी पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन ढूंढने के अभियान में 105 फोन बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने इन मोबाइल को उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया है। यह कार्रवाई रविवार दोपहर 1 बजे सर्विलांस सेल और थानों की संयुक्त टीमों ने की। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विवेक तिवारी के नेतृत्व में तकनीकी जांच और ट्रैकिंग के जरिए इन फोनों को खोजा गया। पुलिस टीमों ने CEIR पोर्टल की मदद ली।

1000 पुरुष मतदाताओं पर सिर्फ 831 महिला वोटर

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच गोरखपुर में मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जाएगा। जिले में हर 1,000 पुरुष मतदाताओं पर 944 महिला मतदाताओं का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन वर्तमान सूची में यह अनुपात सिर्फ 831 है। यानी लक्ष्य के मुकाबले हर 1,000 पुरुष मतदाताओं पर 113 महिलाएं कम हैं।

बाराबंकी में ट्रक ने स्कूटी सवार महिला को कुचला, मौत

ड्राइवर फरार, महमूदाबाद-लखनऊ मार्ग पर हादसा





तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी के कुर्सी थाना क्षेत्र में रविवार को तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार महिला को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला सड़क पर गिर गई और ट्रक की चपेट में आ गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। मृतका की पहचान फतेहपुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव निवासी सीमा (28) पत्नी इरशाद के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, सीमा रविवार दोपहर करीब 3 बजे अपनी भतीजी को देखने लखनऊ के इंटीग्रल अस्पताल जा रही थीं।

सीमा महमूदाबाद-लखनऊ मार्ग पर कुर्सी थाना क्षेत्र के अमरसंडा के पास पहुंची थीं। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सीमा सड़क पर गिर गईं और ट्रक की चपेट में आ गईं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची कुर्सी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश कर रही है।

एमएलसी चुनाव में तिरस्कार और उपकार की कहानी सुनाकर परिणाम बदलने की तैयारी

सहानुभूति के 'पैडल' से 'साइकिल' दौड़ाएंगे संजयन



तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव इस बार काफी रोचक होने जा रहा है। भाजपा से निराश होने के बाद 1 अक्टूबर को निर्दल प्रत्याशी के तौर पर पर्चा दाखिल करने वाले डा. संजयन त्रिपाठी अब सपा में शामिल हो चुके हैं। इस राजनीतिक घटनाक्रम से वह, उनके लोग और सपा के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। जीत दर्ज करने की रणनीति भी बन चुकी है। संजयन इस चुनाव में सपा के 'साइकिल' में खुद अर्जित सहानुभूति का 'पैडल' लगाएंगे और इससे चुनावी रेस जीतने की पुरजोर कोशिश करेंगे। मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में भी अपनी पहचान



बताने वाले संजयन चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा से मिले तिरस्कार और सपा के उपकार की कहानी सुनाकर भी परिणाम बदलने की कवायद में जुटेंगे। सपा से टिकट मिलने के बाद डा. संजयन और उनके समर्थकों में उत्साह है। अपनी लग्जरी गाड़ी से सत्ताधारी भाजपा का झंडा उतारना डा. संजयन के लिए टर्निंग प्वाइंट बन गया। झंडा उतारने के बाद भाजपा से जुड़ाव की बातें करते हुए उनके भावुक हो जाने से उनके पक्ष में सहानुभूति पैदा होने लगी थी। भावुकता का यह वीडियो उनके फेसबुक पेज पर पोस्ट हुआ तो दो दिनों के भीतर 1 करोड़ से अधिक लोगों ने उसे देख लिया। यह रिस्पांस देखकर संजयन की पूरी टीम गदगद है। यही कारण है कि अपने पक्ष में पैदा हुई सहानुभूति और सपा के साथ की बदौलत संजयन त्रिपाठी खुद की जीत सुनिश्चित मान रहे हैं।

विशेषज्ञ बोले- सपा के साथ जाने से सहानुभूति की लहर चलने पर संशय

वरिष्ठ पत्रकार आलोक दूबे बताते हैं कि संजयन के सपा में जाने से शिक्षक एमएलसी चुनाव का समीकरण अब बदल गया है। डा. संजयन का पुराना संबंध, शिक्षण संस्थानों के संचालकों से अच्छे संबंध और इस चुनाव को आधार मानकर की गई लंबी तैयारी के साथ अब उनके पास सपा का एक मजबूत संगठन भी है। पिछले कई चुनावों में मिली हार, कई बार टिकट कटने से उनके साथ सहानुभूति भी जुड़ी है। लेकिन वर्तमान परिस्थिति में इस सहानुभूति को वोट में बदलना उनके लिए चुनौती होगी। सपा में जाने के बाद इस सहानुभूति पर असर पड़ सकता है। निर्दल चुनाव लड़ने पर बहुत से ऐसे लोग हैं जो उनके साथ रहते लेकिन साइकिल चुनाव निशान होने से कई ऐसे वोटर होंगे, जो सपा के साथ जाने में संकोच दिखा सकते हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एंबुलेंस ट्रक में घुसी, डीएम के गले लग भतीजा फूट-फूटकर रोया

जवान का शव लेकर आ रहे बेटे भाई भतीजे की हुई मौत





तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। सुल्तानपुर में जवान का शव लेकर जा रहे 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में जवान का इकलौता बेटा, भाई, रिश्ते का भतीजा और एंबुलेंस चालक शामिल हैं। 100 किमी की रफ्तार से जा रही एंबुलेंस एक्सप्रेस-वे के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। केबिन पूरी तरह पिचक गया। ड्राइवर का शव स्टेयरिंग में फंस गया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एंबुलेंस काटी। फिर आगे की सीट पर बुरी तरह फंसे 2 शवों को बाहर निकाला। पीछे बैठे 2 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा



हादसे में एंबुलेंस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बोनट चकनाचूर हो गया।

रविवार सुबह 8:15 बजे अयोध्या बॉर्डर पर हलियापुर के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुआ। परिवार एंबुलेंस से सूबेदार सत्यवान का शव लेकर पंचकुला (चंडीगढ़) से देवरिया जा रहा था। मृतकों की पहचान सूबेदार मेजर के इकलौते बेटे गौरव सिंह (18), भाई राम समुझ (55), रिश्ते के भतीजे राजन सिंह (35) और एंबुलेंस चालक जसपाल के रूप में हुई है। सूबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर हलियापुर थाने में रखवाया गया है।

हादसे की सूचना पर डीएम इंद्रजीत सिंह और पुलिस कप्तान विनीत जायसवाल मौके पर पहुंचे।

चंडीगढ़ में रहता था सैनिक सत्यवान सिंह का परिवार

सूबेदार मेजर सत्यवान सिंह की पत्नी सरोजिनी सिंह, बेटी दीक्षा और बेटा गौरव सिंह चंडीगढ़ में रहते थे। दीक्षा चंडीगढ़ से बीटेक कर रही है, जबकि बेटा गौरव सिंह NEET की तैयारी कर रहा था। सत्यवान के बड़े भाई राम समुझ सिंह पोस्टमैन थे। परिवार में उन्हें बड़े बाबू कहा जाता था। परिवार में उनकी पत्नी शीला देवी, 3 बेटे विवेक, विकास और विशाल हैं। राम समुझ के बड़े बेटे विवेक के साढ़ू राजन चौधरी रुद्रपुर के भरटोली वार्ड के सभासद थे। राजन के परिवार में पत्नी प्रतिभा और 1 साल की बेटी है।

एंबुलेंस के परखच्चे उड़े

वहीं, रविवार सुबह करीब 8:15 बजे अयोध्या-सुल्तानपुर बॉर्डर के पास हलियापुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एंबुलेंस खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा माइलस्टोन 79.6 किलोमीटर के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए और उसका केबिन पूरी तरह पिचक गया। आगे बैठे गौरव सिंह और एंबुलेंस ड्राइवर जसपाल का शव स्टेयरिंग में बुरी तरह फंस गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गाड़ी काटकर दोनों शवों को बाहर निकाला। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुल्तानपुर जिला अस्पताल भेजा गया। एंबुलेंस में पीछे बैठे राम समुझ और राजन सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों की अयोध्या के सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अयोध्या के जिला अस्पताल भेज दिया।

कल्याणी-नदी में डूबे दो चचेरे भाइयों का एक साथ अंतिम-संस्कार

पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे दोनों के शव

तमसा संकेत, एजेंसी



बाराबंकी। बाराबंकी में घुंघटेर थाना क्षेत्र के कृष्णानगर के पास कल्याणी नदी में डूबे दो चचेरे भाइयों के शव रविवार को पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे। 13 वर्षीय राज और 14 वर्षीय अमित के शव एक साथ पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। दोनों बच्चों की मौत से गांव में भी शोक का माहौल रहा। परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर दोनों बच्चे दूसरे घर से वापस लौट रहे थे। कृष्णानगर के पास कल्याणी नदी पर बने अस्थायी पुल के पाइप वाले रास्ते से गुजरते समय दोनों का पैर फिसल गया। नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ था और रास्ते के ऊपर पानी का तेज बहाव था। फिसलन के कारण दोनों नदी की धारा में बह गए। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद दोनों बच्चों को नदी से बाहर निकाला गया और सीएचसी घुंघटेर ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव गांव पहुंचे। एक साथ दोनों की अर्थियां उठने पर परिजन और ग्रामीण भावुक हो गए। गमगीन माहौल में दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया।

घटना : अंशुमान को शाम को पार्टी ने निकाला ■ रात में एफआईआर भी हुआ

पूर्व सपा जिलाध्यक्ष को थप्पड़ जड़ना पड़ा भारी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में समाजवादी पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शनिवार दोपहर कुर्सी पर बैठने को लेकर शुरू हुआ विवाद महज 6 घंटे में पार्टी के अंदर बड़े बवाल में बदल गया। प्रेस क्लब के सभागार में पहले गाली-गलौज और फिर हाथापाई हुई। इसी दौरान अंशुमान सिंह के साथ आए उनके बेटे कमलेश सिंह द्वारा पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी की ओर हाथ उठाने का वीडियो भी सामने आया। घटना के बाद नेताओं ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए।

शाम को नगीना साहनी ने कैंट थाने में तहरीर दी, जिस पर अंशुमान सिंह, उनके दोनों बेटों कमलेश और विमलेश सिंह समेत 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई।

वहीं, देर शाम समाजवादी पार्टी ने



अंशुमान सिंह को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया। पूरी घटना दोपहर करीब 2:10 बजे शुरू हुई और रात करीब 10:30 बजे अंशुमान सिंह के सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सफाई देने तक मामला लगातार चर्चा में रहा।

अंशुमान सिंह की ओर से नगीना साहनी से थोड़ा किनारे खिसकने के लिए कहा गया। नगीना साहनी ने खिसकने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज तक पहुंच गया। इसके बाद दोनों पक्षों में हाथापाई की स्थिति बन गई। सभागार में मौजूद सपा नेताओं और अन्य लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश की। इसी दौरान करीब 2:15 बजे अंशुमान सिंह के बेटे कमलेश सिंह ने नगीना साहनी की ओर हाथ उठाया।

'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस

शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब, शास्त्री चौक के सभागार में सपा जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। यह कार्यक्रम सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 2 से 8 अक्टूबर तक चलने वाले 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' को लेकर आयोजित किया गया था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभियान से जुड़े कार्यक्रमों और एसआईआर के नाम पर वोट काटे जाने के मुद्दे को लेकर पार्टी की ओर से जानकारी दी जा रही थी।



समर्थकों के साथ पहुंचे अंशुमान सिंह

प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने के करीब 10 मिनट बाद, दोपहर लगभग 2:10 बजे ग्रामीण विधानसभा सीट से 2027 के चुनाव में टिकट की दावेदारी कर रहे अंशुमान सिंह अपने समर्थकों के साथ सभागार में पहुंचे।

करीब दो मिनट बाद यानी 2:12 बजे अंशुमान सिंह अपने बैठने की जगह तलाशने लगे। सभागार में ज्यादातर कुर्सियां भरी हुई थीं। सामने की तरफ सपा के पदाधिकारी एक साथ बैठे थे। अंशुमान सिंह ने उसी तरफ बैठने की इच्छा जताई और एक कुर्सी मंगवाई।

वाराणसी में सपाइयों का सीईसी के विरोध में प्रदर्शन

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ पैदल मार्च को पुलिस ने रोका

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । वाराणसी की कैंट विधानसभा में महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी दिलीप डे के नेतृत्व में सपा ने पैदल मार्च निकाला। इस दौरान पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री और सपा की प्रदेश सचिव रिबु श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम संयोजक रिबु श्रीवास्तव सबसे आगे बैनर और पम्पलेट लेकर चल रही थीं। इस दौरान वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा बुलंद हो रहा ।

पुलिस ने इन सभी को दुर्गाकुंड पुलिस चौकी के पास रोक दिया। संकटमोचन के पास शुरू हुआ यह पैदल मार्च यहीं खत्म हो गया। बता दें की मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा वाराणसी की सभी आठों विधानसभाओं में 7 अक्टूबर तक रोजाना पैदल मार्च करेगी और विरोध दर्ज कराएगी। इसके बाद 8 अक्टूबर को शास्त्री घाट से बड़ा पैदल मार्च जिला मुख्यालय तक जाएगा। जिसमें राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जाएगा। प्रदेश सचिव रिबु श्रीवास्तव ने बताया - पूरे हिन्दुस्तान में जगह-जगह जो ज्ञानेश कुमार की चोरी पकड़ी गयी है। जो लोकतंत्र की हत्या का जो खुलासा हुआ है। उसके विरोध में आज समाजवादी पार्टी के लोग शांतिपूर्वक ढंग से प्रधानमंत्री कार्यालय तक मार्च निकालना चाह रहे थे। लेकिन पुलिस वालों ने रोका। ये ज्ञानेश कुमार को नहीं रोक पा रहे। लोकतंत्र की चोरी को नहीं रोक पा रहे हैं। लेकिन कोई शांतिपूर्वक ढंग से विरोध करता है तो उसे रोक दिया जाता है। रिबु श्रीवास्तव ने आगे बताया - आज इस देश की ख़ूबसूरती ये है कि ये विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। और यहीं लोकतंत्र की चोरी हो रही है। उसके पूरे प्रमाण होने के बावजूद भी आज जहां भी लोग उसके विरोध में आवाज उठा रहे हैं। तो उसे रोका जा रहा है। आज हम लोगों ने मार्च निकाला था। जिसे रोका गया।

सेक्टर बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा-पिछड़े वर्ग को राजनीतिक हिस्सेदारी देने का काम बसपा ने किया

पिछड़े वर्ग की भागीदारी पर बसपा का फोकस सैदापुर में जुटे कार्यकर्ता

बैठक

■ महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे भी उठे

बृजेंद्र वीर सिंह



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के सैदापुर में रविवार को बहुजन समाज पार्टी की सेक्टर स्तरीय बैठक हुई। बैठक में पिछड़े वर्ग की राजनीतिक भागीदारी के साथ महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्य मंडल जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन को लेकर भी अपनी बात रखी। बसपा नेता विनय पाठक ने सर्वसमाज के साथ ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बसपा शासनकाल में ब्राह्मण समाज के लिए भी काम हुए। उन्होंने आगामी समय में समाज की भागीदारी बढ़ाने की बात कही।

बैठक का संचालन जिला सचिव राधेश्याम राज ने किया। सुरजीत भारती समेत अन्य लोगों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

ये रहे मौजूद

बैठक में जिला पंचायत सदस्य सप्पू वर्मा, पूर्व ग्राम प्रधान राजेंद्र भारती, सुजीत कोरी, जयप्रकाश सैनी, ग्राम प्रधान आज्ञाराम, विनायक निषाद, विजयपाल, आफताब आलम, राहुल पाल, रामजश, अंबेश, संदेश भारती, प्रेम प्रकाश, मोहम्मद सलाम, विनय चौधरी, सुमन देवी, अंजुला बौद्ध, नीतू बौद्ध, सुरेश वर्मा, रामदेव राजभर, सुरजीत निषाद, पवन प्रजापति, कृपाशंकर वर्मा, मनोज पाल, संदीप यादव और अजय पाल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

> अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी प्रत्याशी मनोज वर्मा ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर गरीबों के हित में काम किया जाएगा।

1984 के बाद राजनीतिक भागीदारी का दावा

बैठक को संबोधित करते हुए बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक पिछड़े वर्ग को पर्याप्त राजनीतिक भागीदारी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि 1984 में बसपा के गठन के बाद पिछड़े वर्ग समेत समाज के अन्य वर्गों को राजनीतिक भागीदारी देने की पहल की गई। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पिछड़े वर्ग को संगठित होकर पार्टी के साथ खड़ा होना चाहिए। महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने बसपा को सत्ता में लाने की बात कही।

रोजगार को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना

बैठक की अध्यक्षता कर रहे दिलीप कुमार विमल ने कहा कि बसपा शासनकाल में छात्रों, नौजवानों, किसानों, बेरोजगारों और महिलाओं के हित में काम हुए। उन्होंने भाजपा सरकार पर बेरोजगारी बढ़ने का आरोप लगाया। कहा कि युवाओं के रोजगार का मुद्दा प्राथमिकता में होना चाहिए।

कांशीराम-मुलायम की पुण्यतिथि से सपा साधेगी सामाजिक समीकरण

अकबरपुर में मासिक बैठक में 9 और 10 अक्तूबर के कार्यक्रमों की रणनीति तय

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। समाजवादी पार्टी ने अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ सामाजिक सरोकारों को जोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को हुई विधानसभा की मासिक बैठक में कांशीराम और मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथियों पर कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया गया। नौ अक्तूबर को कांशीराम और 10 अक्तूबर को मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि सौहार्द के साथ मनाई जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष प्रवीण कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राम अचल राजभर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों के साथ प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर भी पार्टी का पक्ष रखा। राम अचल राजभर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और गरीबों के मकानों से जुड़े मामलों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय रहना होगा। उन्होंने भाजपा सरकार का विरोध करते हुए समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया।

बैठक में नौ अक्तूबर को कांशीराम और 10 अक्तूबर को मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं से दोनों आयोजनों में सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यक्रमों को सौहार्दपूर्ण तरीके से आयोजित करने पर जोर दिया।

फास्ट न्यूज

यूपी कांग्रेस को नई दिशा का दावा

अंबेडकरनगर। आराधना मिश्रा मोना को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने पर जिले के कांग्रेस नेताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस की ओर से दो अक्तूबर को जारी संगठनात्मक नियुक्ति में आराधना मिश्रा मोना को प्रदेश अध्यक्ष और इमरान मसूद को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया महासचिव संजय तिवारी ने कहा कि मोना के नेतृत्व में और राहुल गांधी व प्रमोद तिवारी की रहनुमाई में उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

एचपीवी टीकाकरण की बढ़ी मियाद, दिसंबर तक चलेगा अभियान

अंबेडकरनगर। किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान की अवधि तीन महीने बढ़ा दी गई है। अगस्त में निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद अब अभियान दिसंबर तक जारी रहेगा। जिले में सात अक्तूबर से 14 से 15 वर्ष की पात्र किशोरियों को सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क एचपीवी टीका लगाया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के विस्तार के साथ 7,209 किशोरियों का नया लक्ष्य तय किया है। जिले में अभियान की शुरुआत 27 मार्च को हुई थी।

डूडा कार्यालय की दीवारों पर दरारें

अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय स्थित डूडा कार्यालय भवन की हालत इन दिनों बदहाल नजर आ रही है। भवन की बाहरी दीवारों पर कई जगह दरारें दिखाई दे रही हैं। प्लास्टर भी जगह-जगह उखड़ चुका है। बाहर से देखने पर भवन का रखरखाव लंबे समय से न होने की स्थिति नजर आती है। कार्यालय भवन की दीवारों पर पड़ी दरारों और उखड़े प्लास्टर के कारण भवन की बाहरी सूरत बिगड़ गई है।

लकड़ी के विवाद ने लिया उग्र रूप छप्परनुमा गौशाला में लगा दी आग

तमसा संकेत, संवाददाता



■ नरहरपुर में महिलाओं को लाठी-कुल्हाड़ी लेकर दौड़ाने का आरोप, पीड़ित ने पांच नामजद समेत 11 के खिलाफ दी तहरीर

अंबेडकरनगर। महरुआ थाना क्षेत्र के नरहरपुर गांव के मजरे बगिया में लकड़ी ले जाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के बाद दबंगों ने छप्परनुमा गौशाला में आग लगा दी। आग में छप्पर जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची पीआरवी और अग्निशमन टीम ने आग बुझाई। पीड़ित ने पांच नामजद और छह अज्ञात के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

बगिया निवासी साधूराम के दरवाजे का महुआ का पेड़ बरसात के दौरान गिर गया था। पेड़ गिरने से उनके चाचा की दीवार भी क्षतिग्रस्त हुई थी। शनिवार को साधूराम पेड़ काटकर उसकी लकड़ी घर ले जाने की तैयारी कर रहे थे।

पीड़ित के अनुसार, इसी दौरान गांव के जयप्रकाश समेत कुछ लोगों ने लकड़ी ले जाने से रोक दिया। विरोध करने पर बाहरी लोगों को बुलाने का आरोप है। इसके बाद ट्रैक्टर से लकड़ी खींचकर दूसरे पक्ष के लोग अपने घर ले गए।

पीड़ित का आरोप है कि लकड़ी ले जाने का विरोध करने पर परिवार की महिलाओं ने आपत्ति जताई। इस पर लाठी और कुल्हाड़ी लेकर उन्हें दौड़ाया गया। महिलाएं जान बचाकर घर के अंदर चली गईं। आरोप है कि इसके बाद छप्परनुमा गौशाला में आग लगा दी गई।

पूर्व कार्यवाहक प्रधानाचार्य की पुनरीक्षण याचिका खारिज

सत्र न्यायालय ने सीजेएम के आदेश को रखा बरकरार, बैंक लेनदेन और सरकारी ऑडिट रिपोर्ट को प्रथमदृष्टया महत्वपूर्ण माना

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर में संस्थागत धन में गड़बड़ी के मामले में सत्र न्यायालय ने पूर्व कार्यवाहक प्रधानाचार्य विपिन कुमार सिंह की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। सत्र न्यायाधीश चंद्रोदय कुमार ने 29 सितंबर को आदेश पारित किया। अदालत ने सीजेएम न्यायालय के नौ जून 2025 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें विपिन कुमार सिंह को मुकदमे के लिए तलब किया गया था। कॉलेज प्रबंधक कृष्ण कुमार टंडन की शिकायत पर दर्ज एफआइआर में आरोप लगाया गया था कि कार्यवाहक प्रधानाचार्य के पद पर रहते विपिन कुमार सिंह ने कॉलेज के विभिन्न खातों की रकम में 10.20 लाख रुपये की अनियमितता और गबन किया। पुलिस ने विवेचना के बाद 28 दिसंबर 2024 को पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने का हवाला देते हुए अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। इसके विरोध में कॉलेज प्रबंधक ने 18 मार्च 2025 को अदालत में प्रार्थना पत्र दिया। सीजेएम ने अंतिम रिपोर्ट खारिज करते हुए आरोपी को मुकदमे के लिए तलब किया था। सीजेएम के आदेश को विपिन कुमार सिंह ने सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि पुलिस ने सरकारी ऑडिट नहीं होने और निजी चार्टर्ड अकाउंटेंट की रिपोर्ट के आधार पर अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। अदालत के सामने पुलिस अभिलेख में जिला ऑडिट अधिकारी, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की 19 अगस्त 2023 की निरीक्षण रिपोर्ट भी मौजूद थी। इस रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताओं का उल्लेख किया गया था। ऑडिट रिपोर्ट में 18.10 लाख रुपये के बिना प्रमाणित खर्च, संस्थागत धन को व्यक्तिगत खाते में स्थानांतरित करने और 4.04 लाख रुपये के परियोजना धन के डायवर्जन का उल्लेख था। अदालत ने बैंक अभिलेख, व्यक्तिगत खाते में धन हस्तांतरण, बियरर चेक से हुए लेनदेन और सरकारी ऑडिट रिपोर्ट को प्रथमदृष्टया पर्याप्त सामग्री माना।

स्कूल के सामने सरकारी जमीन पर उठ रही बाउंड्री पैमाइश की मांग

अढ़नपुर में सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर कब्जे का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। भीटी विकासखंड की ग्राम सभा अढ़नपुर में प्राथमिक विद्यालय के सामने सरकारी जमीन पर बाउंड्री निर्माण को लेकर शिकायत हुई है। ग्रामीण का आरोप है कि सार्वजनिक उपयोग में आने वाली जमीन पर कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है। मामले में तीन अक्तूबर को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया है। भीटी-महरुआ मुख्य मार्ग पर स्थित प्राथमिक विद्यालय अढ़नपुर की बाउंड्री पहले से बनी हुई है। शिकायतकर्ता के अनुसार विद्यालय के सामने बची जमीन सार्वजनिक उपयोग में आती है। गांव के लोग यहां शादी-विवाह, भोज, तेरहवीं और अन्य कार्यक्रमों के लिए टेंट लगाते हैं।

विद्यालय में टीकाकरण, आंगनबाड़ी बैठकों और मतदान के दौरान भी इसी जगह का इस्तेमाल वाहनों की पार्किंग के लिए किया जाता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि अब इसी जमीन पर नई बाउंड्री बनाई जा रही है।

शिकायत में कहा गया है कि प्रस्तावित बाउंड्री मुख्य सड़क से करीब 10 फीट जगह छोड़कर बनाई जा रही है। आरोप है कि निर्माण की चपेट में इंटरलॉकिंग पट्टी और सड़क से जुड़ी जमीन भी आ रही है।

शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि भीटी-महरुआ मार्ग की चौड़ाई 55 फीट निर्धारित है। ऐसे में सड़क की वास्तविक सीमा और मौके पर हो रहे निर्माण की स्थिति पैमाइश के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

26 साल के राजनीतिक अनुभव और मंडल प्रभारी की जिम्मेदारी के सहारे मैदान में उतरे दयाराम राजभर

दयाराम राजभर के सामने संगठन को वोट में बदलने की चुनौती

तमसा संकेत, संवाददाता



> अंबेडकरनगर को लंबे समय तक बसपा के प्रभाव वाले क्षेत्रों में गिना जाता रहा है। मौजूदा राजनीतिक स्थिति में पार्टी के सामने अपने पुराने आधार को फिर से सक्रिय करने की चुनौती है। जलालपुर में प्रत्याशी का चयन इसी रणनीति के संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

अंबेडकरनगर। जलालपुर विधानसभा सीट पर बसपा ने अपना चुनावी पत्ता खोल दिया है। पार्टी ने अयोध्या मंडल प्रभारी दयाराम राजभर को प्रत्याशी घोषित किया है। इसके साथ ही बसपा ने क्षेत्र में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने का संकेत दिया है। अब असली परीक्षा प्रत्याशी की घोषणा से आगे शुरू होगी। जलालपुर में बसपा के लिए सबसे बड़ा सवाल संगठन की सक्रियता को चुनावी समर्थन में बदलने का है। दयाराम राजभर लंबे समय से पार्टी की राजनीति से जुड़े हैं। करीब 26 वर्ष के राजनीतिक अनुभव के साथ वह मंडल स्तर पर संगठन की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। एक बार जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित होने का अनुभव उनके राजनीतिक सफर का हिस्सा है। दयाराम राजभर के सामने दोहरी चुनौती होगी। एक ओर पार्टी के परंपरागत मतदाताओं को संगठन के साथ सक्रिय रखना होगा। दूसरी ओर उन मतदाताओं तक भी पहुंच बनानी होगी, जो अभी किसी दूसरे राजनीतिक विकल्प के साथ खड़े हैं या चुनाव को लेकर अपना निर्णय तय नहीं कर चुके हैं। दयाराम राजभर की राजभर समाज में राजनीतिक पहचान को उनके प्रत्याशी बनाए जाने के महत्वपूर्ण पहलुओं में देखा जा सकता है। हालांकि विधानसभा चुनाव केवल किसी एक सामाजिक समूह के समर्थन से तय नहीं होता। क्षेत्र में व्यापक सामाजिक संपर्क और अलग-अलग वर्गों के बीच स्वीकार्यता भी अहम होगी। यही कारण है कि आने वाले समय में बसपा की रणनीति सिर्फ प्रत्याशी के नाम तक सीमित नहीं रहेगी। बूथ स्तर का संगठन, गांवों में संपर्क और स्थानीय मुद्दों पर सक्रियता पार्टी की चुनावी दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अनुभव मजबूत, लेकिन विधानसभा का मैदान अलग

दयाराम राजभर का राजनीतिक अनुभव उन्हें संगठन और चुनावी प्रक्रिया की समझ देता है। पत्नी तारावती राजभर के दो बार ग्राम प्रधान निर्वाचित होने से परिवार का पंचायत स्तर पर भी राजनीतिक जुड़ाव रहा है।

लेकिन विधानसभा चुनाव का दायरा पंचायत चुनाव से कहीं बड़ा होता है। यहां केवल संगठन में सक्रियता पर्याप्त नहीं होती। प्रत्याशी को विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में लगातार संपर्क बनाना होता है। यही वह मोर्चा है, जहां आने वाले महीनों में दयाराम राजभर की राजनीतिक सक्रियता पर नजर रहेगी।

पिछड़े वर्ग की भागीदारी पर बसपा का फोकस सैदापुर में जुटे कार्यकर्ता

■ सेक्टर बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा-पिछड़े वर्ग को राजनीतिक हिस्सेदारी देने का काम बसपा ने किया

महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे भी उठे

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के सैदापुर में रविवार को बहुजन समाज पार्टी की सेक्टर स्तरीय बैठक हुई। बैठक में पिछड़े वर्ग की राजनीतिक भागीदारी के साथ महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्य मंडल जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन को लेकर भी अपनी बात रखी। बैठक को संबोधित करते हुए बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक पिछड़े वर्ग को पर्याप्त राजनीतिक भागीदारी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि 1984 में बसपा के गठन के बाद पिछड़े वर्ग समेत समाज के अन्य वर्गों को राजनीतिक भागीदारी देने की पहल की गई। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पिछड़े वर्ग को संगठित होकर पार्टी के साथ खड़ा होना चाहिए। महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने बसपा को सत्ता में लाने की बात कही।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे दिलीप कुमार विमल ने कहा कि बसपा शासनकाल में छात्रों, नौजवानों, किसानों, बेरोजगारों और महिलाओं के हित में काम हुए। उन्होंने भाजपा सरकार पर बेरोजगारी बढ़ने का आरोप लगाया। कहा कि युवाओं के रोजगार का मुद्दा प्राथमिकता में होना चाहिए। अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी प्रत्याशी मनोज वर्मा ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर गरीबों के हित में काम किया जाएगा।

बसपा नेता विनय पाठक ने सर्वसमाज के साथ ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बसपा शासनकाल में ब्राह्मण समाज के लिए भी काम हुए। उन्होंने आगामी समय में समाज की भागीदारी बढ़ाने की बात कही।

आरक्षी आसिफ हुसैन का उपनिरीक्षक पद पर चयन



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस विभाग में आरक्षी के पद पर तैनात आसिफ हुसैन का चयन उपनिरीक्षक (गोपनीय) पद पर हुआ है। वर्ष 2019 बैच के आसिफ हुसैन चयन के बाद प्रशिक्षण के लिए मुरादाबाद जाएंगे। उनकी इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों ने बधाई दी।

आसिफ हुसैन वर्तमान में आरक्षी के पद पर कार्यरत हैं। चयन के बाद उनकी जिम्मेदारी और पद दोनों बदलेंगे। इसके लिए उन्हें मुरादाबाद में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वह उपनिरीक्षक (गोपनीय) के पद पर कार्य करेंगे। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने आसिफ हुसैन को चयन पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी के साथ विभागीय दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन करने के लिए उन्हें शुभकामनाएं हैं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक ने आसिफ हुसैन को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विभागीय सेवा में आगे बढ़ना जिम्मेदारियों को और बढ़ाता है। नई भूमिका में भी अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने की अपेक्षा है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने आसिफ हुसैन को चयन पर शुभकामनाएं दीं।

बैठक : शांति समिति की बैठकों में पूजा समितियों और डीजे संचालकों को निर्देश

दुर्गा पूजा और दशहरा को लेकर प्रशासन अलर्ट, जुलूस-विसर्जन पर रहेगी नजर

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। दुर्गा पूजा और दशहरा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों और तहसीलों में शांति समिति की बैठकें कर पूजा समितियों, ग्राम प्रधानों, डीजे संचालकों और स्थानीय नागरिकों से समन्वय बनाया गया। अधिकारियों ने जुलूस, यातायात और प्रतिमा विसर्जन की व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

बेवाना थाने में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी निरीक्षक बेवाना, पूजा समितियों के पदाधिकारी, ग्राम प्रधान और डीजे संचालक शामिल हुए।

अधिकारियों ने कहा कि प्रतिमा स्थापना, पूजा कार्यक्रम, जुलूस और विसर्जन के दौरान तय नियमों का पालन किया जाए। जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाए। यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखा जाए। डीजे संचालकों को निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस और प्रशासन ने पूजा समितियों तथा स्थानीय लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस और प्रशासन को देने को कहा गया।

विसर्जन स्थलों पर प्रकाश और बैरिकेडिंग की व्यवस्था

जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में हुई बैठकों में भी पर्व की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए। प्रकाश, साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था समय से पूरी कराने को कहा गया।

जल बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बढ़ाने और किसी भी सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने को कहा गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और पर्व के दौरान लगातार निगरानी रखी जाएगी।

अन्नप्राशन के साथ मातृ शिशु स्वास्थ्य का संदेश

दुलहूपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत दुलहूपुर स्थित महात्मा गोविंद साहब इंटर कॉलेज परिसर में कार्यक्रम हुआ। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर चर्चा की गई। अनुसूचित जाति जनजाति आयोग की सदस्य और पूर्व विधायक अनीता कमल ने शिशुओं का अन्नप्राशन कराया। गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी की गई। उन्हें पौष्टिक आहार और जरूरी सामग्री वितरित की गई।

अनीता कमल ने महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक भोजन लेने की सलाह दी। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच और साफ-सफाई पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मां और बच्चे का बेहतर स्वास्थ्य परिवार के लिए महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में महिलाओं को बच्चों के पोषण और गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी भी दी गई।

बाल विकास परियोजना अधिकारी भियांव शेषनाथ वर्मा ने बताया कि अन्नप्राशन बच्चे के जीवन में पोषण के नए चरण की शुरुआत है। गोदभराई के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है।

सम्पादकीय

घटिया खाद्य सामग्री



भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने जानी-मानी कंपनी नेस्ले के दूध से बने उत्पाद-डेरी व्हाइटनर के एक सैंपल को दोयम दर्जे का पाने के बाद जिस तरह उसकी बिक्री, वितरण और भंडारण पर रोक लगाई, उससे यही पता चलता है कि किस तरह नामी कंपनियां भी खाद्य एवं पेय पदार्थों के गुणवत्ता संबंधी मानकों की अनदेखी कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं।

इस मामले में इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि डेरी व्हाइटनर के सैंपल को दिल्ली के एक पांच सितारा होटल से लिया गया था। इसका अर्थ है कि नामी जगहों पर भी घटिया किस्म की खाने-पीने की सामग्री पहुंच रही है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि एफएसएसएआइ खाने-पीने की सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सजग और सक्रिय नहीं है। एक समस्या यह भी है कि राज्यों के खाद्य एवं औषधि विभाग भी घटिया एवं दोयम दर्जे के उत्पादों के निर्माण और बिक्री को लेकर अपेक्षित चौकसी का परिचय नहीं दे रहे। समझना कठिन है कि मिलावटी, घटिया और नकली उत्पादों के खिलाफ जैसी सख्ती महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि विभाग के आयुक्त तुकाराम मुंढे दिखा रहे हैं, वैसी अन्य राज्यों के उनके समकक्ष क्यों नहीं दिखा पा रहे हैं?

हर राज्य में तुकाराम मुंढे जैसे खाद्य एवं औषधि प्रशासन के प्रमुख भी चाहिए और इस विभाग के तहत काम करने वाले अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी। निःसंदेह ऐसा तब होगा, जब भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण राज्यों को ऐसे निर्देश देगा कि उसके मानकों का कहीं पर भी उल्लंघन न होने पाए। ऐसे ही निर्देश केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ को भी देने होंगे, जिस पर दवाओं और मेडिकल उपकरणों की गुणवत्ता तय करने की जिम्मेदारी है।

इससे कोई अनभिज्ञ नहीं हो सकता कि जैसे आए दिन दोयम दर्जे की खाने-पीने की सामग्री बनती और बिकती हुई मिलती है, वैसे ही दवाएं भी। अपने देश में खाने-पीने की सामग्री के साथ औषधियों की गुणवत्ता के मानकों का पालन करने में इतनी अधिक लापरवाही बरती जा रही है कि ये उत्पाद घटिया किस्म के ही नहीं, बल्कि नकली भी बनते और बिकते हैं। चूंकि एफएसएसएआइ और सीडीएससीओ, दोनों ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आते हैं, इसलिए इस मंत्रालय को अपनी सुस्ती का परित्याग करना होगा। उसे यह देखना ही होगा कि देश में कहीं पर भी दोयम दर्जे की खाने-पीने की सामग्री और औषधियां न तो बनने पाएं और न ही बिकने। उसे संबंधित कंपनियों को भी चेताना होगा कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता करने से बाज आएं। यदि वे ऐसा नहीं करतीं, तो उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाने में संकोच नहीं किया जाए।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी





> आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए।

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-"शिक्षकों के साथ खड़े रहना: पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना।" यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियां, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है।आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदन-शील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है।महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये'-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियां दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निर्माता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहींकृ-संतुलन को समझाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल 'गुरु' नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पत्थर में छिपी प्रतिमा को देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है। नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा।

ललित गर्ग

गांव से जिला, जिला...

कुमार कृष्णन

हॉकी के स्वर्णिम दौर की दस्तक झारखंड से कुमार कृष्णन



कभी-कभी एक गोल केवल मैच नहीं जिताता। वह किसी खेल की स्मृति को भी जगा देता है। जापान के नागोया में 2 अक्टूबर 2026 को भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से हराकर एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता तो 44 साल पुरानी प्रतीक्षा खत्म हुई। 1982 के बाद पहली बार भारतीय महिला हॉकी एशियाई खेलों में फिर चैंपियन बनी। इस जीत के साथ 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक का सीधा टिकट भी मिला।

लेकिन इस स्वर्ण पदक की कहानी केवल नागोया के मैदान पर नहीं लिखी गई। इसकी कुछ पंक्तियां झारखंड के उन मैदानों पर भी लिखी गई हैं, जहां संसाधनों की कमी के बावजूद लड़कियां हॉकी स्टिक थामती हैं और मिट्टी, पसीने तथा सपनों के साथ खेलना सीखती हैं।

सिमडेगा में इस जीत के बाद हॉकी खिलाड़ियों ने आदिवासी गीतों पर नाचकर जश्न मनाया। यह केवल जीत का उत्सव नहीं था। यह उस मिट्टी का उत्सव था, जिसने भारतीय महिला हॉकी को बार-बार खिलाड़ी दिए हैं।

और इस स्वर्णिम कहानी के केंद्र में झारखंड की बेटी सलीमा टेटे हैं।

कप्तान के रूप में सलीमा ने जिस भारतीय टीम का नेतृत्व किया, उसमें झारखंड से जुड़ी कई प्रतिभाएं थीं। सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग जैसे नाम भारतीय महिला हॉकी की उस मजबूत कड़ी का हिस्सा हैं, जिसे झारखंड ने वर्षों में तैयार किया है। यह कोई अचानक घटित हुई घटना नहीं है। झारखंड की महिला हॉकी में वर्षों से तैयार हो रही प्रतिभाओं की एक लंबी सामाजिक और खेल-परंपरा इसके पीछे है। लेकिन इस ताकत को समझने के लिए खेल की चमक से थोड़ा बाहर निकलना होगा। सवाल यह नहीं है कि झारखंड ने कितनी खिलाड़ी दीं। बड़ा सवाल यह है कि इतनी प्रतिभाएं पैदा करने वाले राज्य को खेल के लिए बदले में क्या मिला? हॉकी झारखंड की महिला टीम की लगातार सफलताएं बताती हैं कि यहां प्रतिभा कोई आकस्मिक घटना नहीं है। अप्रैल 2026 में सब-जूनियर राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार स्वर्ण जीतना इसकी मिसाल है। 2024, 2025 और 2026 की लगातार तीन राष्ट्रीय खिताबी सफलताएं जमीनी स्तर पर बन रही एक निरंतर खेल-परंपरा की ओर संकेत करती हैं। यहीं से हॉकी के स्वर्णिम दौर की असली दस्तक सुनाई देती है। लेकिन दस्तक और दरवाजा खुलने में फर्क होता है।

अगर झारखंड की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी में जगह बना रही हैं तो अब जरूरत केवल प्रतिभा खोजने की नहीं, प्रतिभा को लंबे समय तक संभालने की है।

गांव से जिला, जिला से राज्य और राज्य से राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने की राह में कितनी लड़कियां छूट जाती हैं, इसका कोई बड़ा सार्वजनिक हिसाब हमारे सामने नहीं है।

गरीबी, परिवार की आर्थिक स्थिति, शिक्षा और खेल के बीच संतुलन, प्रशिक्षण की निरंतरता, सुरक्षित आवागमन और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं तक पहुंच—ये सभी सवाल प्रतिभा के साथ चलते हैं।

किसी खिलाड़ी को केवल यह कह देना कि उसमें प्रतिभा है, पर्याप्त नहीं। प्रतिभा को मैदान चाहिए। कोच चाहिए। पोषण चाहिए। चिकित्सा सुविधा चाहिए। यात्रा की व्यवस्था चाहिए। और सबसे बढ़कर लगातार अवसर चाहिए। झारखंड की कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह भारतीय खेल व्यवस्था की एक बड़ी विडंबना को सामने लाती है।

देश में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है। कमी है तो प्रतिभा और अवसर के बीच की दूरी कम करने की। महानगरों में खेल सुविधाओं का विस्तार और दूरदराज के इलाकों में सीमित संसाधनों के बीच का अंतर कम किए बिना भारत विश्व खेल शक्ति बनने का सपना कितना पूरा कर पाएगा? महिला हॉकी की यह जीत इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। क्योंकि महिला खिलाड़ियों ने भारतीय खेल की उस पुरानी धारणा को भी चुनौती दी है, जिसमें खेलों में पुरुषों की सफलता को अधिक स्वाभाविक और महिलाओं की सफलता को असाधारण माना जाता रहा है।

प्रदेश सरकार...

मो0 इक़बाल खाँ

स्टार्टअप नीति-2026 में दिव्यांगजन ट्रांसजेंडर, महिला एवं कमजोर वर्गों हेतु विशेष प्रोत्साहन की व्यवस्था

उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक केंद्रों में से एक बनकर उभर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में घोषित 'नई स्टार्टअप नीति 2026' ने प्रदेश के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव की नींव रखी है। यह नीति न केवल तकनीकी और व्यापारिक नवाचारों को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम कर रही है जो अब तक आर्थिक रूप से हाशिए पर थे। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना, क्षेत्रीय असमानता को समाप्त करना और पर्यावरण के अनुकूल सतत विकास को सुनिश्चित करना है। इस नीति के केंद्र में महिलाएं, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ई.डब्ल्यू.एस. के युवा उद्यमी शामिल हैं, जिन्हें उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में एक महत्वपूर्ण भागीदार माना गया है।

भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है और इस परिवर्तन में उत्तर प्रदेश ने भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के उद्देश्य से स्टार्टअप संस्कृति को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया है। इसी क्रम में लागू की गई उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 प्रदेश के आर्थिक विकास, नवाचार, तकनीकी प्रगति तथा सामाजिक समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उ0प्र0 सरकार की स्टार्टअप नीति-2026 में विशेष प्रोत्साहन से दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनेंगे।

नई नीति का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह है कि इसमें पहली बार दिव्यांगजनों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर समुदाय तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया गया है। ऐसे उद्यमियों की किसी स्टार्टअप में न्यूनतम 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, तो उन्हें प्रोटोटाइप विकास तथा सीड कैपिटल पर मिलने वाली सहायता में 50 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके साथ ही सामान्य प्रोत्साहनों के अतिरिक्त 12.50 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उन्हें व्यवसाय की प्रारंभिक चुनौतियों का सामना करने में बड़ी सहायता मिलेगी। नई स्टार्टअप नीति-2026 का मूल उद्देश्य केवल स्टार्टअप की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को उद्यमिता से जोड़ना है। लंबे समय तक उद्यमिता मुख्यतः आर्थिक रूप से सक्षम लोगों तक सीमित रही, लेकिन अब सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि महिलाएं, दिव्यांगजन और ट्रांसजेंडर समुदाय भी समान अवसर प्राप्त करें।

प्रदेश सरकार की इस नीति के अन्तर्गत यह सहायता विशेष रूप से उन स्टार्टअप के लिए उपयोगी होगी जो सीमित संसाधनों के बावजूद नवीन तकनीक, सामाजिक समाधान अथवा स्थानीय समस्याओं के समाधान पर कार्य कर रहे हैं।

वृद्धावस्था जीवन

हमारे मन में यह जिज्ञासा आ सकती हैं कि क्या वृद्धावस्था का अर्थ केवल बच्चों पर आधारित जीवन होना चाहिए ? क्या आत्मनिर्भरता बुजुर्गों के सम्मान को बढ़ा सकती हैं ? क्या बुजुर्ग प्रसन्न रह सकते हैं ? क्या यह संभव हैं की भारतीय बुजुर्ग भी अपने निर्णय स्वयं लें, अपने कार्य स्वयं करें और बच्चों के साथ रिश्ता अधिकार का नहीं प्रेम का बनें आदि - आदि । कभी-कभी ऐसी खबरें हमको पढ़ने में आती हैं कि उम्रदराज़ लोगों ने उच्च शिक्षा में सफलता पा ली हैं । वह किसी ने उम्र को भुलाकर किसी विशेष हुनर में दक्षता प्राप्त कर ली। क्योंकि ये खबरें साधारण से हट कर होती हैं, सुनकर अचंभित कर देती हैं। पर विशेषज्ञ कहते हैं कि उम्र से सीखने का कोई संबंध नहीं, कोई एतराज नहीं हैं । मानसिक स्वस्थता व दृढ़ निश्चय ही इन सफलताओं का राज है। बल्कि वे कहते हैं कि नई-नई स्किल्स, सीखने की ललक दिमाग को युवा बनाए रखता है। अन्यथा निष्क्रिय मस्तिष्क डिमेन्शिया और अल्जाईमर जैसी बीमारियों का घर हो जाता है। उनके जीने का सार ही खो जाता है। इसके विपरीत किसी शौक की सक्रियता उनके जीवन को सही से आत्मविश्वास व आनन्द से भर देती है। अतः उम्रदराज़ों को यही नेक सलाह है कि कोई भी शौक अपनाएं निष्क्रियता पर रोक लगाएं । समस्या का मूल हैं निर्भरता और समाधान का मूल हैं गरिमामय स्वतंत्रता । वह जब माता- पिता आत्मनिर्भर होते हैं या कम से कम आत्मनिर्भर होने का प्रयास करते हैं तो रिश्तों में अधिकार की जगह सम्मान आता हैं , अपेक्षाओं की जगह सहजता और द्वेष की जगह स्नेह आता हैं । हमारे द्वारा इस जीवन को जीने का कोई लक्ष्य होना जरूरी हैं । वह बिना साध्य के जीना तो हमारी एक मजबूरी है । आदमी क्यों जीता है इसका उसे ज्ञान अवश्य होना चाहिए, किसके लिए जीता है इसका अनुमान भी अवश्य होना चाहिए । लक्ष्य हीन जीवन को जीना एक प्रकार का भार होता है और अच्छे उद्देश्य के साथ जीवन जीना परिष्कार तथा उपहार होता है । हमारे जीवन का हर क्षण सार्थक बने इसका हमें सही से भान हो । यह मानव जीवन मुश्किल से मिलता है इस सत्य का ज्ञान हो । पश्चिमी संस्कृति बुजुर्गों को यह कहती हैं कि अपना जीवन स्वयं से जियों । वह भारतीय संस्कृति कहती हैं कि तुम बच्चों के भरोसे रहों ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

इस इकाई में निर्मित...

डॉ0 सीमा गुप्ता

रामपुर में मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना से संवरती आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण आर्थिकी को सुदृढ़ करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के उद्देश्य से संचालित योजनाएं धरातल पर सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव की संवाहक बन रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं और अप्रत्याशित वित्तीय संकटों के उपरांत पुनर्वास तथा उद्यमशीलता को नया जीवन देने में 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा क्रियान्वित यह योजना ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों के हुनरमंद उद्यमियों को संस्थागत वित्तीय संबल प्रदान कर स्वावलंबन के नए अवसर सृजित कर रही है।

जनपद रामपुर में इस योजना के सफल क्रियान्वयन ने आपदा के प्रभाव को मात देकर औद्योगिक आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। जनपद के उद्यमी नाजिम वर्ष 2022 तक 'वेस्टर्न ऑटो प्लास्टिक पार्ट्स' नाम से अपनी औद्योगिक इकाई का संचालन कर रहे थे। इस इकाई में दोपहिया वाहनों के वाइज़र, मडगार्ड तथा ऑटो पार्ट्स तैयार कर प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों को आपूर्ति किए जाते थे। वर्ष 2022 में जनपद रामपुर में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान इस प्लांट में पानी भर जाने से भारी नुकसान हुआ। पचास लाख रुपये से अधिक मूल्य की मशीनरी और कच्चा माल नष्ट होने से स्थापित उद्यम पूरी तरह ठप हो गया तथा संचित पूंजी समाप्त हो गई। इस अप्रत्याशित संकट के बाद उद्यमी ने भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं और पर्यावरण-अनुकूल प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माण क्षेत्र में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया। पूंजी के गंभीर अभाव को दूर करने के लिए जिला प्रशासन और ग्रामोद्योग विभाग के मार्गदर्शन में 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' के अंतर्गत आवेदन किया गया। महिला सशक्तीकरण की नीति के अनुरूप उनकी पत्नी सादिया रईस के नाम से वित्तीय सहायता का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे संबंधित विभाग द्वारा त्वरित औपचारिकताएं पूर्ण कर स्वीकृति प्रदान की गई। बैंक के समन्वय से 9.5 लाख रुपये का संस्थागत ऋण स्वीकृत होने से इस ठप पड़े उद्यम को तत्काल राहत मिली। लाभार्थी परिवार ने अपनी शेष जमा-पूंजी और अन्य स्रोतों से संसाधन जुटाते हुए लगभग 1.25 करोड़ रुपये के कुल पूंजी निवेश से जनपद रामपुर में एक आधुनिक ई-रिक्शा विनिर्माण इकाई की स्थापना की। सरकारी स्तर से प्राप्त समयबद्ध वित्तीय सहायता ने उद्यमी को पुनः मुख्यधारा में स्थापित करने में आधारशिला का कार्य किया। जनपद रामपुर में स्थापित यह विनिर्माण इकाई केवल बाह्य कलपुर्जों के संयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां वाहनों का निर्माण आधारभूत स्तर से किया जाता है। संयंत्र में कच्चे लोहे की प्रोसेसिंग, मुख्य चेचिस निर्माण, बाह्य बॉडी की फैब्रिकेशन, वेल्डिंग, पैसेंजर सीट निर्माण, डेंटिंग-पेंटिंग तथा आंतरिक वायरिंग का संपूर्ण कार्य इन-हाउस तकनीकी दक्षता के साथ संपन्न किया जाता है। सुरक्षा और गुणवत्ता के कड़े मानकों को पूरा करते हुए इकाई का चेचिस नंबर विधिवत अनुमोदित है।

इस इकाई में निर्मित ई-रिक्शा को केंद्र सरकार के अधिकृत संस्थान इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी), गुरुग्राम से आवश्यक विनियामक और सुरक्षा मानकों का विधिवत प्रमाणन प्राप्त है। गुणवत्ता नियंत्रण और विनियामक अनुपालन के कारण स्थानीय बाजार में इस इकाई के उत्पादों की विश्वसनीयता निरंतर बढ़ रही है। बाजार की मांग के अनुसार इस संयंत्र में प्रतिमाह 10 से 30 ई-रिक्शा का निर्माण किया जा रहा है। विगत एक वर्ष की अवधि में इकाई द्वारा संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) से विधिवत पंजीकृत 40 से अधिक ई-रिक्शा सफलतापूर्वक सड़कों पर उतारे जा चुके हैं, जबकि 20 नई गाड़ियों की खेप आगामी आपूर्ति हेतु तैयार है। यह उपलब्धि जनपद रामपुर को स्वच्छ और हरित गतिशीलता के क्षेत्र में एक उभरते स्थानीय विनिर्माण केंद्र के रूप में अग्रसर करती है। इस उद्यम ने न केवल एक परिवार को आर्थिक स्थायित्व प्रदान किया है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए आजीविका का बड़ा आधार भी तैयार किया है। इकाई से होने वाले लगभग ढाई से तीन लाख रुपये के वार्षिक शुद्ध लाभ से परिवार का सम्मानजनक भरण-पोषण सुनिश्चित हो रहा है। इसके साथ ही, चेचिस वेल्डिंग, सीट निर्माण, फैब्रिकेशन और वायरिंग जैसे तकनीकी कार्यों में रामपुर के 20 से 25 कुशल व अर्ध-कुशल कारीगरों को नियमित रोजगार प्राप्त हो रहा है, जिससे कई ग्रामीण परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा मिल रही है। वित्तीय अनुशासन के मोर्चे पर भी इकाई का प्रदर्शन अनुकरणीय रहा है। उद्यमी द्वारा बैंक ऋण की मासिक किस्तों (ईएमआई) का शत-प्रतिशत समयबद्ध भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनका ऋण खाता पूरी तरह मानक बना हुआ है। अब यह इकाई अपने वर्तमान 5-सीटर (38 इंच) मॉडल से आगे बढ़कर 8-सीटर एल-5 श्रेणी (42 से 48 इंच चौड़ाई) के ई-वाहनों के निर्माण की दिशा में विस्तार की योजना पर कार्य कर रही है। आवश्यक विनियामक अनुमोदन और संयंत्र विस्तार के लिए अनुमानित 30 लाख रुपये की अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर होने वाले श्रम पलायन को रोकने में मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की स्थापना हेतु अधिकतम 10 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर वाणिज्यिक तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के माध्यम से सुलभ ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना का प्रमुख ध्येय पारंपरिक शिल्पों, स्थानीय संसाधनों और आधुनिक सूक्ष्म उद्योगों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबी बनाना है। योजना की संरचना में सामाजिक समावेशिता और समता को शीर्ष प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के पुरुष उद्यमियों को नियमानुसार पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध करायी जाती है, जबकि आरक्षित वर्गों-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग तथा सभी वर्गों की महिला उद्यमियों को विशेष वित्तीय सुरक्षा कवच प्रदान किया जाता है।

31 प्रवक्ताओं में 10 ब्राह्मण, 25 मीडिया पैनलिस्ट बने, पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन के विरोधी को मिली जगह

यूपी भाजपा की मीडिया टीम घोषित

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार रात पार्टी की मीडिया टीम घोषित कर दी। हिमांशु दुबे और दीपक बघेल को सह-मीडिया प्रभारी बनाया गया है। समीर सिंह, हीरो बाजपेयी, राकेश त्रिपाठी, मनीष शुक्ला, कौशलेंद्र पटेल, प्रियंक पांडेय, ऋचा सिंह, नवीन श्रीवास्तव, अंकुश त्रिपाठी, अवनीश त्यागी समेत 31 प्रवक्ता बनाए गए हैं।

चंद्र मोहन चौबे, अपर्णा दीक्षित, धनंजय शुक्ला समेत 25 मीडिया पैनलिस्ट बनाए गए हैं। इनमें 2 मुस्लिम चेहरे- अमील शम्सी और जेबा यास्मीन भी शामिल हैं। दिवस चतुर्वेदी और मनोज त्रिवेदी को मीडिया वॉच की जिम्मेदारी दी गई है। क्षेत्रीय स्तर पर पश्चिम, ब्रज, कानपुर, अवध, काशी और गोरखपुर के लिए मीडिया संयोजक और सह-मीडिया संयोजक भी नियुक्त किए गए हैं।



रवि सोनकर काफी दिनों से पद पाने की कोशिश कर रहे थे।



मीडिया टीम में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के कई करीबियों को जगह मिली है।



यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मीडिया टीम में भी जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है।

भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए यूपी में बड़ी मीडिया टीम तैयार की है। कौशलेंद्र पटेल, राम निवास यादव समेत कई पुराने और अनुभवी कार्यकर्ताओं को प्रवक्ता बनाया है। इनमें ऐसे कार्यकर्ता भी शामिल हैं, जिन्हें पार्टी की प्रदेश या क्षेत्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी। नई मीडिया टीम में ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, भूमिहार, पिछड़ी जातियों, दलित वर्ग और मुस्लिम समुदाय को साधने की कोशिश की गई है। खास बात यह भी है कि भाजपा ने इस बार प्रवक्ताओं की संख्या करीब दोगुनी कर दी है। पिछली बार 16 प्रवक्ता थे। इस बार 31 प्रवक्ता बनाए गए हैं। 14 नए चेहरे हैं। पार्टी ने मौजूदा प्रवक्ताओं में से आलोक अवस्थी, प्रशांत वशिष्ठ और हरिश्चंद्र श्रीवास्तव को हटाया गया है। पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन के विरोधी रहे दिलीप श्रीवास्तव को भी प्रवक्ता बनाया गया है।

बीजेपी की मीडिया टीम में डिप्टी सीएम के करीबियों को भी जगह

भाजपा की नई मीडिया टीम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के करीबी माने जाने वाले नेताओं को भी प्रवक्ता और पैनलिस्ट बनाया गया है। केशव मौर्य के करीबी कौशलेन्द्र पटेल और नवीन श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है। कौशलेन्द्र पटेल वाराणसी के पूर्व महापौर रह चुके हैं। उन्होंने 2018 में कौशाम्बी लोकसभा उपचुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। इसके बाद से उन्हें पार्टी की प्रदेश टीम में जगह नहीं मिली थी। अब उन्हें मीडिया टीम में प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है।

भाजपा ने साधा जातीय समीकरण, 10 ब्राह्मण और 8 पिछड़े वर्ग से

31 प्रवक्ताओं में 10 ब्राह्मण, 8 पिछड़े वर्ग, 4 दलित, 3 ठाकुर और 2 भूमिहार शामिल हैं। पिछड़े वर्ग से बनाए गए 8 प्रवक्ताओं में 3 कुर्मी हैं। पहले दलित समाज से 2 प्रवक्ता थे, अब यह संख्या बढ़कर 4 हो गई है।

अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष लालजी निर्मल को भी प्रवक्ता बनाया गया है। इसके अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के करीबी माने जाने वाले आलोक वर्मा और प्रशांत उमराव को भी प्रवक्ता बनाया गया है। जानकार मानते हैं कि समय-समय पर सरकार और भाजपा से जुड़े विषयों पर मीडिया में पक्ष रखने के लिए संबंधित जाति समुदाय के प्रवक्ता की जरूरत होती है, इसलिए पार्टी ने सभी वर्गों से प्रवक्ता बनाए हैं। ये जनता के बीच पार्टी का प्रमुख चेहरा होते हैं। जनता के बीच सबसे ज्यादा इन्हें ही पहचान मिलती है।



कौशलेन्द्र पटेल को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का करीबी माना जाता है।

मीडिया टीम के गठन में भी प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह का दबदबा दिखा है। राष्ट्रीय संगठक नागेंद्र नाथ के करीबी मनीष दीक्षित को पहले ही मीडिया संयोजक बनाया गया था। अब मीडिया सूची प्रवक्ता, पैनलिस्ट और मीडिया वॉच में धर्मपाल सिंह के करीबी और भरोसेमंद लोगों को जगह मिली है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में एसटीएफ ने दबोचे 2 तस्कर

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने अंतरराज्यीय स्तर पर अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गिरोह को पकड़ा है। टीम ने रविवार को लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र अहिमामऊ सर्विस रोड, अमारा फार्म मोड़ से गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। तस्कर बिहार और मध्य प्रदेश से 30 से 40 हजार रुपये में पिस्टल खरीदकर यूपी के अलग-अलग जिलों में 80 हजार से 1 लाख रुपये तक में बेचते थे।

लखनऊ के निशातगंज पुल पर एक्सीडेंट

लखनऊ। महानगर थाना क्षेत्र के निशातगंज पुल पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। गोल मार्केट की ओर से रॉन्ग साइड में आ रही स्कूटी और सामने से आ रही तेज रफ्तार कार की भिड़ंत में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब 12:30 बजे की है। पुलिस चौकी के सामने यह दुर्घटना हुई। अमेठी निवासी सत्यमान सिंह (30) अपनी स्कूटी UP41 BL 9679 से गोल मार्केट की तरफ से निशातगंज की ओर रॉन्ग साइड आ रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा अल्ट्रोज कार UP32 RE 4214 से स्कूटी की जोरदार टक्कर हो गई।

दरोगा की मां-ताऊ की मौत, एक्सयूवी कार खंभे से टकराई

दुबग्गा। लखनऊ में रविवार सुबह 9 बजे सड़क हादसे में दरोगा की मां और ताऊ की मौत हो गई। काकोरी में आउटर रिंग रोड पर उनकी XUV300 कार खंभे से टकराकर कई बार पलटी और फिर सीधी हो गई। हादसे में पीछे बैठे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दरोगा और कार चालक घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर काकोरी में चकौली अंडरपास के पास हुआ।

निर्माण श्रमिको का बी ओ सी डब्ल्यू बोर्ड में पंजीयन अनिवार्य रूप से कराया जाय

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माण श्रमिको का बी ओ सी डब्ल्यू बोर्ड में पंजीयन अनिवार्य रूप से कराया जाय । उप मुख्यमंत्री के निर्देशो के क्रम मे वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत 90 दिवस का कार्य पूर्ण कर चुके श्रमिकों का भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (BOCW Board) में पंजीकरण कराया जा रहा है। पंजीकरण के उपरांत श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित 17 प्रकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकता है। प्रदेश में अब तक 17.32 लाख श्रमिकों का बी.ओ.सी.डब्ल्यू. बोर्ड में पंजीकरण कराया जा चुका है। उन्होंने निर्देश दिए कि विकसित भारत - जी राम जी के अंतर्गत जिन श्रमिकों ने 90 दिन का काम किया है,उन्हें बी ओ सी डब्ल्यू बोर्ड में पंजीकृत करने की कार्यवाही लगातार किया जाय और इस बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों को पत्र के माध्यम से यह अवगत कराने की कार्रवाई की जाय कि उन्हें श्रम विभाग की किन-किन योजनाओं का क्या-क्या लाभ अनुमन्य है, ताकि इसकी जानकारी हासिल कर वह उन योजनाओं का लाभ हासिल कर सकें। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ।

ने पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत निर्माण कार्यों के सम्पादन में लगे श्रमिकों का उ०प्र० बिल्डिंग एण्ड अदर कन्स्ट्रक्शन वेलफेयर बोर्ड (भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

प्रभावित क्षेत्रों में राहत किट, भोजन, आवश्यक दवाओं एवं पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने के निर्देश

गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत स्थलीय नाव द्वारा निरीक्षण

प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता- गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों को प्राथमिकता से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गोमती नदी के बढ़ते हुए जलस्तर के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री विशाख जी0 एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री बब्लू कुमार द्वारा बरावन कला, सैथा आदि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा, राहत सामग्री की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सुरक्षित स्थानों पर लोगों के शिफ्टिंग की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने प्रभावित नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए स्थापित बाढ़ राहत शिविरों का भी निरीक्षण किया। शिविर में मौजूद चिकित्सकों से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने प्रभावित नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवश्यक दवाओं के वितरण की जानकारी ली। चिकित्सकों द्वारा अवगत कराया गया कि प्रभावित नागरिकों को आवश्यकतानुसार दवाओं की किट उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यक दवाओं की पर्याप्त किट तैयार कर तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाई जाएं तथा जरूरतमंद नागरिकों को दवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाए।



रात्रिकालीन पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ दाऊद नगर में अतिरिक्त कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश

प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा नगर मजिस्ट्रेट को तत्काल 10 नावों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को भोजन एवं राहत किट उपलब्ध कराने तथा प्रभावित पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा एवं चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।



नावों के माध्यम से घर-घर राहत किट पहुंचाने का कार्य

जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रातःकाल से ही समस्त प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीमों को सक्रिय करते हुए नावों के माध्यम से घर-घर राहत किट पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। प्रभावित नागरिकों को भोजन, आवश्यक राहत सामग्री एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को लगातार समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

शादी के बाद आधार-पैन बनवाया, पबजी से शुरू हुई थी लव स्टोरी, दुबई से 2 बार मिलने आया

पकड़ा गया बांग्लादेशी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में तीन साल से रह रहा एक बांग्लादेशी युवक शनिवार को पकड़ा गया। उसने भारत का आधार, पैन कार्ड और वोटर कार्ड तक बनवा लिया था। ये दस्तावेज उसने जनसेवा केंद्र संचालक की मदद से बनवाए थे। बांग्लादेशी युवक का पबजी गेम खेलते समय लखनऊ की एक महिला से अफेयर हो गया था।

पुलिस की जांच में सामने आया कि बांग्लादेशी युवक ने 3 साल पहले लखनऊ आकर महिला से कोर्ट मैरिज की। फिर दोनों साथ रहने लगे। अब तक 2 बार दुबई आ-जा चुका है। युवक की पहचान मो. सज्जाद हुसैन (28) के रूप में हुई है। वह बाजारखाला के भदेवा स्थित नसीरुल्ला अपार्टमेंट रह रहा था। सज्जाद ने बताया कि वह बचपन में पिता अब्दुल कादिर के साथ दुबई में रहने लगा। उनका घर बांग्लादेश के चटोग्राम में हथाजरल रहीमपुर में है। 2023 में लखनऊ आने के बाद अब तक 2 बार दुबई आया-गया। अंतिम बार 9 जुलाई 2026 को यहां आया, तब से यहीं है। 23 सितंबर को टूरिस्ट वीजा खत्म हो गया था। करीब 10 दिन बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सज्जाद के पास बांग्लादेश के 2 पासपोर्ट भी मिले हैं। पुलिस ने सज्जाद की निशानदेही पर तलहा को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से फर्जी आधार, पैन और वोटर आईडी, दो मोबाइल फोन, कंप्यूटर और फर्जी निवास और जन्म प्रमाण पत्र की रंगीन प्रतियां बरामद की गई हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।



2018 में पबजी पर हुई थी महिला से दोस्ती

पूछताछ में सज्जाद ने पुलिस को बताया कि 2018 में पबजी खेलने के दौरान उसकी पहचान लखनऊ की फरहीन नाज से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और बाद में अफेयर हो गया। महिला से मिलने के लिए सज्जाद 18 अगस्त 2023 को बांग्लादेशी पासपोर्ट पर टूरिस्ट वीजा लेकर सऊदी अरब से लखनऊ आ गया। 28 अगस्त 2023 को दोनों ने अयोध्या में कोर्ट मैरिज कर ली। भारत में रहने और बैंक खाता खुलवाने के लिए सज्जाद को भारतीय पहचान पत्र की जरूरत थी।



बैंक डेट में बनवाया निवास प्रमाण पत्र

पुलिस के मुताबिक, तलहा ने सज्जाद के लिए फर्जी निवास और जन्म प्रमाण पत्र तैयार किए। निवास प्रमाण पत्र पर 10 अगस्त 2023 की तारीख दर्ज है, जबकि सज्जाद पहली बार 18 अगस्त 2023 को भारत आया था। यानी उसका निवास प्रमाण पत्र बैंक डेट में बनाया गया या फिर संपर्क कर भारत आने से पहले ही निवास प्रमाण पत्र जारी करवा लिया।

इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर उसका आधार कार्ड बनवाया गया। इसके बाद आधार के जरिए पैन कार्ड और वोटर आईडी भी तैयार कराई गई। पुलिस के अनुसार, इसके लिए सज्जाद ने तलहा की मां के खाते में QR कोड के जरिए 900 रुपए भेजे और 2 हजार रुपए नकद दिए। इन दस्तावेजों के आधार पर सज्जाद ने कोटक महिंद्रा बैंक की नाका शाखा में खाता भी खुलवाया था।

राजधानी में एंबुलेंस ड्राइवरों ने भाजपा दफ्तर का घेराव किया

बोले- 5 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को भाजपा दफ्तर के बाहर डायल-108 और डायल-102 के एंबुलेंस ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। नारा लगाया- 'कोरोनाकाल में हमें हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए'। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, ओमप्रकाश राजभर समेत कई मंत्रियों के आवास का घेराव भी कर चुके हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि GVKEMRI कंपनी ने हमें कोरोनाकाल के तुरंत बाद बाद 2021 में नौकरी से निकाल दिया। तब से हम बेरोजगार हैं। परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। हिरासत में लिए जाने से पहले प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय में लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात करके सरकार से पैरवी करने की मांग की।



एंबुलेंस ड्राइवरों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन-रात सेवाएं दीं। 12 कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, पीड़ित परिवारों को न मुआवजा मिला और ना ही नौकरी। लेकिन काम लेने के बाद उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया। 5 साल से रोजगार के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी पर नौकरी से निकालने, शारीरिक, मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए।

पिंडदान : अस्सी घाट पर पिंडदान किया, बोला- रोज सपने में आते थे, बहुत परेशान था

अमेरिका से चाचा की अस्थियां लेकर काशी पहुंचा जैक्सन

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में पितरों का तर्पण करने हजारों लोग पहुंच रहे हैं। शनिवार को अमेरिका से जैक्सन अपने दिवंगत चाचा नेट की अस्थियां लेकर वाराणसी पहुंचे। यहां अस्सी घाट पर उन्होंने चाचा की आत्मा की शांति के लिए विधि-विधान से अस्थि विसर्जन और पिंडदान कराया।

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जैक्सन भावुक दिखे। उन्होंने बताया कि मैं बचपन से अपने चाचा नेट के साथ रहा हूं। मेरा अपने चाचा से गहरा जुड़ाव था। निधन के बाद भी मैं चाचा को याद करता रहता हूं। वह अक्सर रात में मेरे सपने में आते थे। चाचा के बार-बार दिखाई देने से मैं परेशान रहने लगा। मैंने इसका समाधान तलाशना शुरू किया। इसी दौरान मैंने काशी और यहां होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा एक वीडियो देखा। इसमें काशी की धार्मिक मान्यताओं और अस्थि विसर्जन-पिंडदान की जानकारी मिली। इसके बाद मैंने चाचा की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए खुद काशी आने का फैसला किया। शनिवार को जैक्सन चाचा की अस्थियां लेकर वाराणसी पहुंचे। अस्सी घाट पर तीर्थ पुरोहित राहुल पांडेय के आचार्यत्व में अस्थि विसर्जन और पिंडदान का अनुष्ठान कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक प्रक्रिया पूरी की गई।



काशी में अपने पितरों का तर्पण करने हर रोज 50 हजार श्रद्धालु गंगा घाट और पिशाचमोचन कुंड पहुंच रहे हैं। 7 दिनों में अब तक करीब 3 लाख से अधिक लोग अपने पूर्वजों का तर्पण कर चुके हैं। इसमें विदेश से आने वाले लोग भी शामिल हैं।



अमेरिका से काशी आए जैक्सन ने अपने चाचा नेट की अस्थियां गंगा में विसर्जित कीं।

चाचा रोज सपने में आते थे, इसलिए मैं काशी आया

अमेरिका के मिशिगन प्रांत के रहने वाले जैक्सन ने बताया कि मैं एक रेस्टोरेंट में काम करता हूं। मैं अपने चाचा नेट के साथ रहता था। मेरे चाचा भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते थे। वह भारत के धार्मिक शहरों के बारे में रुचि रखते थे। काशी और मथुरा के प्रति उनकी आस्था थी। उनकी अंतिम इच्छा थी कि उनकी अस्थियों को मोक्षदायिनी गंगा में विसर्जित किया जाए।

3 साल पहले 50 साल की उम्र में उनकी डेथ हो गई। चाचा की मौत के बाद कुछ दिन तो सब सामान्य रहा। फिर वह हर रोज मेरे सपने में आने लगे। मुझे कुछ समझ नहीं आया। मैं परेशान रहने लगा। फिर एक दिन सोशल मीडिया पर मैंने काशी के कई वीडियो देखे। इसमें मुझे अस्थि विसर्जन-पिंडदान की जानकारी मिली। मैंने उसे यूट्यूब पर सर्च किया। इसके बाद मैं अमेरिका से फ्लाइट लेकर 2 अक्टूबर को इंडिया पहुंचा। इसके बाद काशी आया।

लूडो में हारने पर दोस्त को मार डाला

पेट-सीने पर ताबड़तोड़ कैंची मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में लूडो खेलते समय हुई लड़ाई में 32 साल के युवक की हत्या कर दी गई। दोस्त ने युवक के पेट और सीने में कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसे खून से लथपथ छोड़कर वहां से भाग गया। घटना की सूचना एक दुकानदार ने पुलिस को दी।

परिवार वाले खुद ऑटो से युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के मौसेरे भाई ने कहा कि पुलिस अगर समय से अस्पताल पहुंचाती तो भैया की जान बच जाती। वारदात अलीगंज में पुरनिया पुल के नीचे शनिवार शाम 6 बजे हुई।

पुलिस की जांच में सामने आया कि राहुल अपने साथी प्रदीप सिंह, बब्लू सिंह, पांडेय वकील और कुछ अन्य साथियों के साथ लूडो खेल रहा था। झगड़ा शुरू हो गया तो प्रदीप फुटपाथ की मालिश की दुकान से कैंची लेकर आ गया। उसने राहुल के सीने और पेट में कई जगह कैंची मारी। जब राहुल खून से लथपथ होकर गिर गया तो प्रदीप के साथ वहां से सभी युवक भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। हमलवार प्रदीप मड़ियांव पुल के पास मुर्गी फार्म के पास रहता है। जहां पर घटना हुई, वह पुल अलीगंज और मड़ियांव थाना क्षेत्र का बॉर्डर है।



भाई बोला- पुलिस ने एंबुलेंस तक नहीं बुलाई

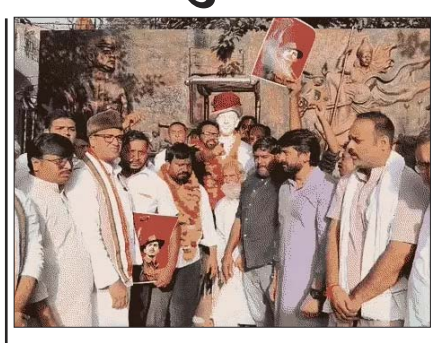
प्रत्यक्षदर्शी बोले- शराब पी रहे थे दोनों दोस्त

प्रत्यक्षदर्शी सलीम ने बताया- कुछ युवक फ्लाईओवर के नीचे लूडो खेल रहे थे। इस दौरान वे शराब भी पी रहे थे। लूडो खेलने के बीच ही उनके बीच मारपीट होने लगी। झगड़ा कर रहे 3-4 लोग अचानक वहां से भाग गए। लेकिन,एक युवक बेसुध पड़ा रहा। सलीम के मुताबिक, वो और बाकी दुकानदार मौके पर दौड़कर पहुंचे। वहां देखा तो युवक खून से लथपथ पड़ा था। हम लोगो ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी।

रिहाई के बाद जुलूस निकाला, पुलिस से नोकझोंक, भगत सिंह की फोटो लेकर पहुंचे समर्थक

सीईसी के घर कालिख पोतने वाले कांग्रेसी जेल से बाहर





रिहाई

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पैतृक निवास पर कालिख पोतने के मामले में जेल भेजे गए कांग्रेसियों की रविवार को रिहाई हो गई। जेल से बाहर आते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और जुलूस निकाला। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तकरार की स्थिति भी बनी। शनिवार को CJM अदालत में मामले की सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने धारा 307 के आरोप को निराधार मानते हुए इसे हटाने का आदेश दिया। इसके बाद सभी 6 अभियुक्तों की जमानत मंजूर कर ली गई। रविवार सुबह कांग्रेस नेताओं को जिला जेल से रिहा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जेल के बाहर पहुंच गए थे। बाहर आते ही कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं को फूल मालाएं पहनाईं। दरअसल, 28 सितंबर को विजय नगर स्थित ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास के बाहर कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान घर की दीवार और मुख्य गेट पर कालिख पोत दी। स्प्रे से 'वोट चोर' और 'गद्दार' लिखा। पुलिस ने हरीपर्वत थाने में अनिल यादव प्रदेश महासचिव (संगठन) आजमगढ़ एवं मुकेश धनगर, जिलाध्यक्ष कांग्रेस मथुरा तथा उनके अन्य साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। सभी पर दंगा, रास्ता रोकने, गृह अतिचार और अन्य धाराओं के साथ धारा 307 में केस दर्ज कर किया था।



जुलूस निकालने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक हो गई।

नारेबाजी करते हुए निकाला जुलूस

रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस लेकर आगे बढ़े। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहे थे। जुलूस को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझाकर स्थिति सामान्य कराने की कोशिश की। हालांकि नारेबाजी के बीच माहौल गर्म हो गया और कुछ देर तक पुलिस तथा कांग्रेसियों के बीच बहस और धक्का-मुक्की जैसे हालात बने रहे।

प्रदर्शन के दौरान गेट पर लिखा था 'वोट चोर'

कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पैतृक आवास पर प्रदर्शन किया था। इस दौरान उनके आवास पर कालिख पोत दी गई थी और गेट पर 'वोट चोर' लिख दिया गया था। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सभी को जेल भेज दिया गया था। जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के साथ शहीद स्मारक पहुंचे। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम के दौरान स्थिति पर नजर बनाए रखी और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

भदोही के नौजवानों की डिग्री पर होगी अब अपने जिले की पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता



भदोही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संत रविदास नगर भदोही के युवाओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए कहा कि अब यहां के नौजवानों की डिग्री पर उनके अपने जिले और अपने विश्वविद्यालय की पहचान होगी। जिले के पीजी कॉलेज को काशी नरेश विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दिए जाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही के युवाओं की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। जिले के कॉलेजों को विश्वविद्यालय से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ चुकी है। अब यहां के नौजवानों को मिलने वाली डिग्री पर काशी नरेश विश्वविद्यालय, संत रविदास नगर भदोही का नाम होगा। मुख्यमंत्री ने इसे केवल एक विश्वविद्यालय की स्थापना नहीं, बल्कि जिले की अपनी शैक्षणिक पहचान स्थापित होने से जोड़ते हुए कहा कि सरकार इस संस्था में बेहतरीन सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री भदोही, औराई एवं ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ से अधिक की 112 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाभी और नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि आज जो ये पैसा इन तीर्थों के विकास के लिए खर्च हो पा रहा है, विरासत और पूर्वजों की धरोहर का संरक्षण का कार्य और उसका सुंदरीकरण हो रहा है। 2017 के पहले यह पैसा, इन तीर्थों को नहीं मिलता था। यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल के नाम पर जमीनों को कब्जा करने का माध्यम बन जाता था।

लापता लड़का बरसाना में मिला

परिवार ने कहा था- प्रेमानंदजी के आश्रम गया था, फिर लौटा नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में लापता हुआ हाथरस का 16 साल का लड़का शनिवार को बरामद कर लिया गया। लड़का बरसाना मंदिर के पास लाड़ली आश्रम से मिला। पुलिस उसे लेकर उसके गांव बारामई खेड़ा के लिए रवाना हो गई है। उसके साथ परिजन भी हैं।

परिजन बेटे अनुज की तलाश में तीन महीने से भटक रहे थे। पिता ने उसकी मां, भाई और चार बेटियों के साथ शुक्रवार को सुबह 11 बजे से संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम के बाहर 7 घंटे तक धरना दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनका बेटा प्रेमानंदजी के आश्रम में दीक्षा लेने गया था। वहीं से वह गायब हो गया था।

हालांकि, धरना खत्म करने के बाद पिता ने कहा था कि पुलिस ने उनके बेटे अनुज की तस्वीर दिखाई है। अभी उनकी बेटे से मुलाकात नहीं हुई है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि हाथरस पुलिस लड़के की तलाश कर रही थी। मोबाइल लोकेशन और CCTV की मदद से उसकी तलाश की गई। राजवीर सिंह ने बताया था कि वह किसान हैं। चार बेटियों के बीच अनुज इकलौता बेटा है। वह पढ़ाई कर रहा है। इस साल इंटर में है। वृंदावन के पास पानीगांव में अनुज की ननिहाल है। वह अक्सर ननिहाल जाया करता था। इसी दौरान वह केजीकुंज आश्रम जाने लगा। कुछ समय बाद उसने दीक्षा लेने का मन बनाया। पिता राजवीर ने बताया-अनुज ने तीन महीने पहले मां को मनाकर प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ले ली।



कंठी-माला और तीन किताबें लेकर घर से निकला था

उन्होंने बताया- करीब तीन महीने पहले मां को मनाकर प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ले ली। दीक्षा लेने के बाद अनुज पांच दिन तक घर पर रहा। इसके बाद उसने कहा कि वह महाराज जी के दर्शन करने जा रहा है। वह प्रेमानंद महाराज की दी हुई कंठी-माला और तीन किताबें लेकर घर से निकला। इसके बाद तीन महीने तक घर नहीं आया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

संख्याः-3297/न०पा०प०अ०/2025-26 (निर्माण) दिनांक- 03.10.2026

अतिअल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/ पब्लिक सेक्टर विभाग /राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में A/B/C श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर रपं० दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अन्तर्गत-01 निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। निर्धारित तिथि को अवकाश होने की दशा में उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

1. कार्य का विवरण वेबसाइटः-https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता हैं।
2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि-05.10.2026 से 04.11.2026 तक
3. प्री-विड मीटिंग की तिथि व समय दिनांक-12.10.2026 समय 12:00 बजे।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक 04.11.2026 को समय 12:00 बजे तक।
5. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि / समय दिनांक-04.11.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे ।
6. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।
7. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट-https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

पत्नी ने कारोबारी पति को गर्लफ्रेंड के साथ पकड़ा

कार के बोनट पर लटकी, 100 मीटर दौड़ाता रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में पति को दूसरी महिला के साथ कार में देख पत्नी भड़क गई। पति कार लेकर भागा तो पत्नी बोनट पर लेट गई। इसके बावजूद उसने कार नहीं रोकी और करीब 100 मीटर तक पत्नी को बोनट पर लेकर दौड़ाता रहा। महिला 'मुझे बचा लो...' चिल्लाती रही। शोर सुनकर राहगीरों ने कार रोकने की कोशिश की। कार रुकते ही पत्नी ने पति को बीच सड़क पर पीटा और उसके कपड़े तक फाड़ दिए। वहीं, कार में बैठी दूसरी महिला मौके से फरार हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस ने पति और प्रेमिका को हिरासत में ले लिया। घटना का वीडियो सामने आया है। मामला शनिवार देर शाम लोहियान-गर थाना क्षेत्र का है।

किठौर के हसनपुर कला निवासी मयंक एक महिला के साथ कार से जा रहा था। हापुड़ रोड स्थित एल-ब्लॉक चौकी के पास पत्नी की नजर कार पर पड़ गई। वह चिल्लाते हुए कार की ओर दौड़ी तो मयंक ने गाड़ी दौड़ा दी। पत्नी कार के बोनट पर चढ़ गई, लेकिन उसने कार नहीं रोकी और करीब 100 मीटर तक उसे बोनट पर लेकर दौड़ता रहा। पीछे बाइक से आ रहे लोगों ने शोर मचाकर कार रोकने की कोशिश की। करीब 100 मीटर आगे जाकर मयंक ने कार रोक दी। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस दोनों पक्षों को थाने लेकर गई। पत्नी ने थाने में पति और प्रेमिका के खिलाफ जान से मारने की कोशिश का केस दर्ज कर लिया।



कानपुर में चलती स्कूटी पर ईएनटी सर्जन को हार्ट-अटैक

कानपुर। कानपुर के किदवई नगर में शनिवार शाम चलती स्कूटी पर ईएनटी सर्जन की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया गया कि उन्हें चलती स्कूटी में ही हार्ट अटैक पड़ा और वह अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर गिर गए। हादसे में उनके हाथ और मुंह में गंभीर चोटें आईं।

राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें तत्काल पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची गोविंद नगर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोविंद नगर थाना क्षेत्र के बी-ब्लॉक किदवई नगर निवासी नरेश चंद्रा (67) सरकारी अस्पताल में ईएनटी सर्जन से रिटायर्ड हुए थे और किदवई नगर में क्लीनिक चलाते थे। परिवार में पत्नी सुनीता गुप्ता, बेटा यश चंद्रा और बेटी अंकिता गुप्ता हैं।

बेटे यश ने बताया- वह मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

'विभाजनकारी ...

मुख्यमंत्री, रविवार को लखनऊ में अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। कार्यक्रम आशियाना स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। गायत्री परिवार के युवा प्रमुख चिन्मय पंड्या ने लोटा और माला देकर सीएम योगी का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने 10 स्कूलों के बच्चों को सम्मानित किया।

योगी ने कहा कि आजादी की शताब्दी तक विकसित भारत का लक्ष्य सामने है। इसके लिए गुलामी की मानसिकता छोड़नी होगी, विरासत पर गर्व करना होगा, सामाजिक समता के लिए काम करना होगा और नागरिक कर्तव्यों को समझना होगा। हर व्यक्ति अधिकार से ज्यादा कर्तव्य को महत्व देने लगे तो भारत को दुनिया की कोई ताकत आंख नहीं दिखा सकती।

उन्होंने कहा कि 'इदम न मम' की भावना से आगे बढ़कर 'इदम राष्ट्राय स्वाहा' का भाव अपनाना होगा। जो कुछ भी हमारे पास है, उसे राष्ट्र के प्रति समर्पित करने की भावना रखनी होगी। 2047 में आजादी की शताब्दी का वर्ष देश के लिए गौरव का अवसर होगा।

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से अपील की कि कार्यशाला में मिलने वाले मार्गदर्शन को निश्चित समय-सीमा में जमीन पर उतारें। युवा पीढ़ी को सही दिशा देने और देश के भविष्य को मजबूत बनाने में शिक्षक अपनी भूमिका निभाएं।

योग का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 21 जून को दुनिया के करीब 190 देशों में योग दिवस मनाया जाता है। यह भारत की ऋषि परंपरा के प्रति दुनिया की कृतज्ञता है। भारत को अपनी विरासत पर गर्व करते हुए दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार होना होगा।

योगी ने कहा कि नदियों का प्रदूषण आज बड़ी चुनौती है। स्वार्थ के कारण नदी संस्कृति को नुकसान पहुंचा है। नदियां जीवंत नहीं रहेंगी तो जीवन के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि नदियों की भूमिका शरीर में धमनियों जैसी है। उन्हें अविरल और निर्मल बनाना होगा।

उन्होंने एक सूख चुकी नदी को दोबारा जीवित करने का उदाहरण देते हुए कहा कि सैटेलाइट मैपिंग के बाद नदी की खुदाई कराई गई। बारिश के बाद वहां दोबारा जलधारा बहने लगी। यह पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भाव है।

ज्ञानेश कुमार के...

उसके अलावा अलग-अलग संगठन और पार्टियां भी विरोध मार्च निकाल चुकी हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, आज के विरोध मार्च के आयोजकों के खिलाफ़ आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में बिना इजाजत मार्च निकालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र में SIR प्रक्रिया रद्द की जाएः हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी SIR प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, SIR किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब SIR के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं?

हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं हैः हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए। करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए गएः देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति चुनाव से होनी चाहिएः चुनाव आयोग की नियुक्ति चुनाव के जरिए होनी चाहिए। पहले एक समिति होती थी, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता शामिल होते थे। उन्होंने (केंद्र सरकार ने) इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए एक मंत्री को नियुक्त किया गया।

जब दुनिया पाकिस्तान ...

इनमें ब्लैक सी में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, अनाज और ऊर्जा के निर्यात और अहम बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने जैसे मुद्दे शामिल रहे।

पहला- 29 सितंबर को न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में जयशंकर ने कहा था- भारत की चिंताओं में एक पाकिस्तान से आने वाला आतंकवाद है। अगर अमेरिका इस चिंता को नहीं समझता, तो इसका असर भारत-अमेरिका रिश्तों पर पड़ता है।

दूसरा- 4 अक्टूबर को जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया में दो बड़े बदलाव दिख रहे हैं। अमेरिका अपनी नीतियों के कारण दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है। वहीं चीन का बढ़ता असर देशों के बीच मुकाबला बढ़ा रहा है।

'2027 में सपा ...

अखिलेश यादव रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क, गोमती नगर में आयोजित 'पीडीए संकल्प-शिक्षक-अभ्यर्थी संवाद, अखिलेश जी के साथ' कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से संवाद कर रहे थे।

अखिलेश यादव ने कार्यक्रम के आयोजकों का धन्यवाद करते हुए डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क के निर्माण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह पार्क नेताजी मुलायम सिंह यादव ने बनवाया था। करीब पांच हेक्टेयर में बने इस पार्क के निर्माण के दौरान एक भी पेड़ नहीं काटा गया, बल्कि पेड़ों को स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने पार्क में लगी घड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि वह आज भी सही समय बताती है।

उन्होंने अपनी सरकार के कार्यकाल में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की भी चर्चा की। अखिलेश ने कहा कि एक्सप्रेस-वे की प्रशंसा सभी ने की है और इसमें आखिरी छोर पर टोल टैक्स लगता है। उन्होंने भाजपा सरकार के दौरान बने गंगा एक्सप्रेस-वे पर भी तंज कसा।

सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी सरकार के समय लखनऊ में एचसीएल और ट्रिपल आईटी हब की स्थापना हुई। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी सरकार में विद्यार्थियों को दिए गए लैपटॉप आज भी चल रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास संबंधी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोरखपुर स्पेन नहीं बन पाया और वाराणसी को क्योटो नहीं बनाया जा सका।

आउटसोर्सिंग खत्म ...

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा और रोजगार के बीच समन्वय नहीं है। परीक्षाओं के पेपर सिर्फ लीक नहीं होते, बल्कि कराए जाते हैं। समाजवादी सरकार में पेपरलीक पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

तमिलनाडु समेत ...

यानी 4 अक्टूबर शाम 5 बजे से 6 अक्टूबर को मतदान खत्म होने तक किसी भी तरह के प्रचार पर रोक है। मंगलवार को वोटिंग होगी। नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे। नंदीग्राम में BJP की प्रत्याशी हसीरानी रथ हैं। कांग्रेस ने यहां मिलन प्रधान को उतारा है। CPI ने शांति गोपाल गिरि को टिकट दी है। जबकि डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस के एहतेशमुल हक मैदान में हैं।इनके अलावा ISF के एमडी साबे मिराज अली खान भी किस्मत आजमाने चुनाव लड़ रहे हैं। ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया है।

रेजीनगर में ममता गुट ने प्रत्याशी उतारा: ममता TMC के रबीउल आलम चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

अभियान एशियन गेम्स में 4 गोल्ड ज्यादा जीते, शूटिंग-एथलेटिक्स में इस बार 9 स्वर्ण का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं।

उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया।



एशियन गेम्स 2026 में भारत के गोल्ड

महिला	पुरुष	मिक्स्ड
11	7	3

भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला।

बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी गोल्ड नहीं मिला था। इस बार बॉक्सिंग में 3 और रेसलिंग में 2 गोल्ड आए हैं। आर्चरी में भारत ने पिछले प्रदर्शन को दोहराया है। चीन ने इस बार 169 गोल्ड सहित 341 मेडल जीते हैं। नंबर-2 पर रहे जापान ने 83 गोल्ड जीते हैं। चीन से आधे से भी कम। चीन 1982 से अब तक हर एशियन गेम्स में टेबल टॉपर रहा है। भारत ने पोजीशन के लिहाज से पिछले एशियन गेम्स के प्रदर्शन की बराबरी की है। लेकिन, इस बार 7 गोल्ड सहित कुल 21 मेडल की कमी आई है। इस एशियन गेम्स में अलग-अलग इवेंट्स में कुल 53 वर्ल्ड रिकॉर्ड और 76 एशियन रिकॉर्ड टूटे हैं। साथ ही 166 नए गेम्स रिकॉर्ड भी बने। भारतीय विमेंस कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन के खिलाफ 238 पॉइंट्स बनाए। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी है।

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल

भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

> टीम इवेंट्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के गोल्ड मेडल जीते हैं। हॉकी में एशियाड गोल्ड जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है, लिहाजा भारत की दोनों हॉकी टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई है। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही इवेंट में गोल्ड जीता है।



चिकाथा तनिपार्थी, प्रथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की तिकड़ी ने चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड जीता।

बार्टुनकोवा ने 6-4, 6-3 से हराया, रायबाकिना के बाद दूसरी टॉप सीड बाहर

सबालेंका चाइना ओपन के तीसरे राउंड में हारीं





नई दिल्ली। चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गईं। चेकिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी निकोला बार्टुनकोवा ने उन्हें सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया।

मुकाबला डेढ़ घंटे से थोड़ा ज्यादा चला। इसके साथ ही बीजिंग में खेले जा रहे WTA-1000 टूर्नामेंट में दोनों टॉप सीड खिलाड़ी पहले ही हफ्ते में बाहर हो गईं। नंबर-1 एलेना रायबाकिना शनिवार को हारकर बाहर हुई थीं।

28 साल की बेलारूसी खिलाड़ी का बीजिंग में संघर्ष जारी रहा। वे चाइना ओपन में कभी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले महीने US ओपन में भी उन्हें एलेना रायबाकिना ने हराया था। इस हार के साथ सबालेंका का चाइना ओपन में एक और निराशाजनक अभियान खत्म हो गया।

सबालेंका को हराने के बाद बार्टुनकोवा अब ऑस्ट्रिया की 24 साल की सिंजा क्रॉस से खेलेंगी। क्रॉस ने तीसरे राउंड के मुकाबले में यूक्रेन की दायाना यास्त्रेम्स्का को 6-1, 6-4 से हराया। बार्टुनकोवा के लिए यह जीत खास है, क्योंकि उन्होंने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका को सीधे सेटों में हराया। वे अब टूर्नामेंट के अगले दौर में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेंगी। मेंस कैटेगरी में टॉप सीड और US ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव का क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच से मुकाबला होगा। यह मैच रविवार को खेला जाएगा। ज्वेरेव ने US ओपन का खिताब जीतने के बाद चाइना ओपन में अपना अभियान जारी रखा है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर, वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रनचेज

350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा।

भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था। रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।



भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है। विराट कोहली को वनडे में पहली गेंद पर आउट करने वाले जेडन सील्स चौथे गेंदबाज बन गए। इस लिस्ट में 3 वेस्टइंडीज के प्लेयर हैं। गुरनूर बरार ने इस सीरीज की 3 वनडे पारियों में 253 रन दिए। वे लगातार 3 वनडे मैचों में सबसे ज्यादा रन देने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित

रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की।

रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे।

> भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी।

भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए

भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे।

भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।

मनोरंजन

अनु अग्रवाल हादसे के बाद 29 दिन कोमा में थीं, महिमा चौधरी के चेहरे से निकाले गए थे कांच के टुकड़े

नुसरत भरूचा की सर्जरी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हाल ही में बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं। वह काम और छुट्टियों से जुड़े दौरे पर बाली गई थीं। हादसे के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। जिसके बाद आगे की सर्जरी के लिए उन्हें मुंबई लाने का फैसला किया गया। इसके लिए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। 2 अक्टूबर 2026 को वह एयर एंबुलेंस से मुंबई पहुंचीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई एक्ट्रेस हादसों में घायल हो चुकी हैं।

हादसे के बाद एक्ट्रेस अन्नू अग्रवाल की याददाश्त चली गई थी। तो वहीं महिमा चौधरी के चेहरे से 67 कांच के टुकड़े निकाले गए थे। होश में आने के बाद उनका आधा शरीर पैरालिसिस (लकवा) का शिकार हो चुका था और याददाश्त चले जाने के कारण वह अपनी पुरानी जिंदगी और पहचान तक भूल चुकी थीं। मेरा सीधा हाथ पूरा पैरालाइज्ड था, मैं खुद खाना भी नहीं खा पाती थी। एक्सीडेंट के 7 साल बाद तक ये हुआ। मेरे कई एक्सीडेंट हुए थे। मेरा उल्टा हाथ, पैसिव था। राइट हैंड काम करता था। जब सीधा हाथ पैरालाइज हुआ, तो मैं चेक भी साइन नहीं कर पाती थी। मेरे कई चेक बाउंस हो गए। खाना उल्टे हाथ से कैसे खाना है, चम्मच इधर-उधर जाता। सुबह नाइट सूट का नाड़ा खोलने के लिए आपको दो हाथ चाहिए, एक हाथ से नाड़ा नहीं खुलता था। किस तरह मैं टूथब्रश पकड़ती। पेस्ट बार-बार फिसलता। एक हाथ से ये सब करती थी।



महिमा चौधरी ने 'परदेस', 'दिल क्या करे', 'धड़कन' जैसी फिल्मों में काम किया है।

महिमा चौधरी का कार एक्सीडेंट हुआ था

फिल्म 'परदेस' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस महिमा चौधरी का 1999 में बेंगलुरु में गंभीर कार एक्सीडेंट हुआ था। उस वक्त वह अजय देवगन और काजोल की फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग कर रही थीं। स्टूडियो जाते समय उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसा इतना गंभीर था कि कार का कांच टूटकर महिमा के चेहरे में जा धंसा। महिमा ने साल 2020 में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में बताया था कि मुझे लगा कि मैं मर रही हूं। मैं अस्पताल पहुंची, लेकिन उस समय किसी ने मुझे उठाया तक नहीं और अस्पताल नहीं ले गया। अस्पताल पहुंचने के काफी देर बाद मेरी मां आईं और अजय देवगन भी वहां पहुंचे। जब वे किसी से बात करने गए, तब मैं उठी और मैंने शीशे में अपना चेहरा देखा। मुझे लगा कि वे इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं। मैंने कहा, चलो। कुछ नहीं हुआ, मैं ठीक हूं।'

अनु अग्रवाल का गंभीर कार एक्सीडेंट हुआ था

1990 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आशिकी' से रातों-रात मशहूर हुईं अभिनेत्री अनु अग्रवाल के साथ साल 1999 में दर्दनाक हादसा हुआ था। मुंबई में एक लेट-नाइट पार्टी से लौटते समय अनु अग्रवाल की कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ था।

इस हादसे में उनके शरीर में कई जगह फ्रैक्चर हुए, उनका चेहरा बुरी तरह प्रभावित हुआ और सिर व दिमाग में अंदरूनी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद वह 29 दिनों तक कोमा में रहीं।





अनु अग्रवाल ने 'आशिकी' के अलावा 'किंग अंकल', 'खल-नायिका' जैसी फिल्मों में काम किया है।

शूटिंग के दौरान तनीषा मुखर्जी की कार खाई में गिरी थी

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी की पहली हिंदी फिल्म 'Sssshhh...' की शूटिंग के दौरान 2003 में हादसा हुआ था।

विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में तनीषा ने बताया था कि वह फिल्म की शूटिंग के लिए मनाली में थीं। उनके साथ अभिनेता डिनो मोरिया, गौरव कपूर और फिल्म के निर्देशक पवन एस. कौल भी कार में मौजूद थे। रास्ते में कार बर्फ की वजह से फिसली और खाई में जा गिरी।

हेमा मालिनी भी हुई थीं भीषण सड़क हादसे का शिकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद हेमा मालिनी भी साल 2015 में एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हुई थीं। यह दुर्घटना 2 जुलाई 2015 को राजस्थान के दौसा के पास आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे-11 पर हुई थी। हादसे में हेमा मालिनी घायल हुई थीं, जबकि दूसरी कार में सवार मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। हेमा मालिनी अपनी मर्सिडीज कार से मथुरा से जयपुर जा रही थीं। इसी दौरान उनकी कार की सामने से आ रही ऑल्टो कार से टक्कर हो गई। ऑल्टो में एक परिवार सवार था। हादसे में ऑल्टो कार में सवार 2 साल की बच्ची चिन्नी की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के अन्य सदस्य घायल हुए थे। वहीं हेमा मालिनी को भी गंभीर चोटें आई थीं।

वेटरन साउथ फिल्ममेकर का निधन

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर सिंगीतम श्रीनिवास राव को लेकर बुरी खबर सामने आ रही है। 95 साल के उम्र में वेटरन फिल्ममेकर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से सिंगीतम साहब बढ़ती उम्र की समस्याओं से जूझ रहे थे और इसी कारण उनका निधन हुआ है। कमल हासन से लेकर जूनियर एनटीआर समेत तमाम फिल्म हस्तियों ने निर्देशक के देहांत पर शोक जताया है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। करीब 6 दशकों तक फिल्म इंडस्ट्री में राज करने वाले सिंगीतम श्रीनिवास राव का जन्म 21 सितंबर, 1931 को हुआ था। 1950 में बतौर सहायक निर्देशक अपने करियर का आगाज करने वाले सिंगीतम ने बतौर फिल्ममेकर, स्क्रीनप्ले राइटल और म्यूजिक कंपोजर साउथ सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी।

दूरदर्शन का कल्ट शो जिसने बच्चों को दिखाई 'जादुई दुनिया'

गुलजार ने किया था डायरेक्ट राम लीला से है कनेक्शन

नई दिल्ली। दूरदर्शन (Doordarshan) ने हमें कई पॉपुलर टीवी सीरियल दिए हैं जिन्हें 90s के बच्चे आज भी मिस करते हैं। हर कोई दरदर्शन की आर्काइव या फिर यूट्यूब पर इन्हें खोजता रहता है। रामायण (Ramayana), महाभारत (Mahabharat), चंद्रकांता (Chandrakanta), विक्रम बेताल (Vikram Betaal) जैसे टीवी सीरियलों को हर कोई जानता है लेकिन 35 साल पहले दूरदर्शन पर एक शो ऐसा भी आया था जिसे गुलजार (Gulzar) ने डायरेक्ट किया था। बच्चों को ये शो काफी पसंद था और पूरा परिवार उस समय टीवी सेट के आगे आकर बच्चा बन जाता था। हम बात कर रहे हैं साल 1991 में आए डी डी नेशनल के शो पोटली बाबा (Potli Baba Ki) की। ये शो खास तौर पर एक पपेट शो था जिसमें पारंपरिक कठपुतलियों का इस्तेमाल किया गया था। प्रसिद्ध कठपुतली कलाकार दादी पुदुमजी के 'इशारा पपेट थिएटर ट्रस्ट' ने इसे तैयार किया था। महान कवि और गीतकार गुलजार इसके लेखक, निर्माता और निर्देशक थे।



इसके कुल 20 एपिसोड टीवी पर प्रसारित हुए थे। कहानी में 'बाबा' नाम का एक बूढ़ा व्यक्ति घूंघर गांव में रहता है।

पति की हिंदी सुनकर हैरान हुईं रश्मिका मंदाना

विजय देवरकोंडा ने कहा- 'अनिवार्य कारण', तो बोलीं- 'बेबी, ये कहां से आ रहा है?'

नई दिल्ली। पति विजय देवरकोंडा की हिंदी सुनकर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना हैरान रह गईं। एक इंटरव्यू के दौरान विजय ने 'अनिवार्य कारण' शब्द का इस्तेमाल किया तो यह सुनकर रश्मिका ने कहा कि ये कहां से आ रहा है।

दरअसल, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पत्रकार शुभंकर मिश्रा को इंटरव्यू दिया। इसमें दोनों ने हिंदी में बातचीत की। इस दौरान अपनी बात कहते हुए विजय ने 'अनिवार्य कारण' शब्द का इस्तेमाल किया।

विजय के हिंदी के शब्द सुनकर रश्मिका हैरान रह गईं और बोलीं, "अनिवार्य कारण... माय गॉड, बेबी! ये कहां से आ रहा है?"



इस पर विजय ने जवाब दिया कि यह उनकी हिंदी क्लास और CBSE में पहली से दसवीं तक की पढ़ाई से आ रहा है। विजय की बात सुनकर रश्मिका ने कहा, "ओह माय गॉड, ये कितने साल पहले की बात है?" विजय ने आगे बताया कि उनके अंदर से अचानक यह शब्द निकल आया। इस पर रश्मिका हंसते हुए बोलीं कि यह तो उनके अंदर से ओवरफ्लो हो रहा है और उन्हें खुद समझ नहीं आ रहा कि यह कहां से आ रहा है।

गौरतलब है कि रश्मिका ने हाल ही में अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर बात की थी।

दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह किसी एक भाषा में ही माहिर नहीं हैं। उनका करियर अ ल ग - अ ल ग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से खुद को ढालने का रहा है।

नेतन्याहू ने भारतीय पायलट को फोन किया, पीएम मोदी के साथ मशाल जलाने का न्योता दिया

हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी : स्मित

बयान

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं।

नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था।



इजराइली PM के आधिकारिक X अकाउंट से नेतन्याहू का कैप्टन स्मित से फोन पर बात करते वीडियो जारी किया गया है।

स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया। इससे पहले PM मोदी ने

ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया

घटना 30 सितंबर की है। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इसके बाद विमान करीब 2 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आ गया।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू और यात्रियों ने कॉकपिट में पहुंचकर आरोपी को काबू किया और विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। विमान की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें सवार सभी 174 लोग सुरक्षित बाहर निकल गए।

2 सितंबर को कैप्टन स्मित से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। बातचीत के दौरान स्मित ने कहा- मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूं और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया। UAE सरकार ने शनिवार को बताया कि ओमान के को-पायलट

इजराइल में स्वतंत्रता दिवस पर 12 मशालें जलाने की परंपरा

इजराइल का स्वतंत्रता दिवस योम हा'अत्जमाउत कहलाता है। यह हिब्रू कैलेंडर के 5 इयार को मनाया जाता है। इसलिए ग्रेगोरियन कैलेंडर में इसकी तारीख हर साल बदलती रहती है। 2027 में स्वतंत्रता दिवस 12 मई को होगा। इसका समारोह 11 मई की शाम से शुरू होगा। इसी दौरान यरुशलम के माउंट हर्जल पर मशाल जलाने का खास समारोह आयोजित किया जाता है। यह समारोह योम हजिकारोन यानी सैनिकों और आतंकवादी हमलों में मारे गए लोगों के स्मृति दिवस के खत्म होने और स्वतंत्रता दिवस की शुरुआत का प्रतीक है। समारोह में 12 मशालें एक-एक करके जलाई जाती हैं। ये इजराइल की 12 प्राचीन जनजातियों का प्रतीक मानी जाती हैं। देश के लिए खास योगदान देने वाले लोगों को मशाल जलाने का सम्मान दिया जाता है। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, सैनिक, कलाकार और शहीद सैनिकों के परिवारों से जुड़े लोग शामिल हो सकते हैं।

हमाम अल-हमामी ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर



सऊदी में विमान के लैंड होने के बाद कैप्टन स्मित को इलाज के लिए ले जाया गया।

पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इससे पहले विमान में मौजूद यात्रियों की शुरुआती जानकारी में चाकू से हमला किए जाने की बात सामने आई थी।

फास्ट न्यूज

हादसे का शिकार हुई एयर एम्बुलेंस

न्यूयॉर्क । अमेरिका के मैसाचुसेट्स के नैनटकेट तट के पास एक एयर एम्बुलेंस का मलबा मिला है। यह एयर एम्बुलेंस शनिवार को बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान अटलांटिक महासागर के ऊपर गायब हो गई थी। इसमें छह लोग सवार थे। यह जानकारी अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने दी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा कि इसमें चार कनाडाई और दो बरमूडा के नागरिक सवार थे। खोज जारी रहने के दौरान उनके करीबी रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया था।

शहबाज सरकार और इमरान की पार्टी की बातचीत विफल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और शहबाज शरीफ सरकार के बीच बातचीत विफल हो गई है। इसके बाद पीटीआई ने इस्लामाबाद की ओर अपना लॉन्ग मार्च जारी रखने का फैसला किया है। इससे पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। सरकार ने भी प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश नहीं देने की बात कही है। सड़कों पर कंटेनर लगाने और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाने की तैयारी की गई है।

हाथ में कुल्हाड़ी, क्रैश कराने की तैयारी

दुबई। फ्लाईदुबई विमान में बुधवार को पायलट केबिन में जो घटनाक्रम हुआ, उसमें भारतीय पायलट- स्मित मच्छार की बहादुरी की पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। स्मित ने जिस तरह फ्लाइट के को-पायलट की ओर से अपने ऊपर हुए हमलों के बावजूद विमान को गिरने से बचाया और समय रहते केबिन का दरवाजा खोल दिया, उसे चमत्कार माना जा रहा है। इसी घटनाक्रम ने विमान के साथ किसी अनहोनी को रोक दिया।

हसीना को पनाह देना मजबूरी थी : भारतीय हाई कमिश्नर

तख्तापलट के बाद 2 साल से भारत में पूर्व पीएम

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को पनाह देना भारत की मजबूरी थी। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी।

यह बात बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने बे ऑफ बंगाल कन्वर्सेशन कार्यक्रम में शनिवार को कही है।

एक छात्र ने त्रिवेदी से पूछा कि हमारे लोगों की हत्या करने वाली शेख हसीना कब हमारे मुल्क वापस लायी जाएंगी?

जवाब में त्रिवेदी ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया जारी है। हसीना को बांग्लादेश कब भेजा जाएगा, इसकी समयसीमा नहीं बताई जा सकती।

सत्ता से हटने के बाद वे 5 अगस्त 2024 को भारत आई थीं। बीते दो साल से हसीना भारत में रह रहीं हैं।

हसीना के भारत आने देने के



फैसले पर भी त्रिवेदी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2024 को जब हसीना ने ढाका छोड़ा, तब भी वे बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं और वहां हालात तेजी से बदल रहे थे। त्रिवेदी ने कहा कि उस समय भारत के पास हसीना को दिल्ली में उतरने की अनुमति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी।

त्रिवेदी ने यह भी स्पष्ट किया कि हसीना को भारत भारतीय वायुसेना या भारतीय सेना नहीं लाई थी।

कहा- मारे गए लोग पाक नागरिक थे, बीएसएफ ने घुसपैठ के शक में गोली मारी थी

गोलीबारी के बाद पाकिस्तान में भारतीय राजनयिक तलब

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान ने पंजाब के तरनतारन में भारत-पाक सीमा पर दो लोगों की मौत पर विरोध जताया।

पाकिस्तान का दावा है कि दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे। सीमा सुरक्षा बल (BSF) की गोलीबारी में मारे गए। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स को तलब कर लगातार हो रही सीमा पार घुसपैठ पर आपत्ति जताई।

भारतीय अधिकारियों के मुताबिक ये लोग भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे। चेतावनी देने के बाद BSF ने गोली चलाई।



पाकिस्तान ने मामले की तुरंत, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच की मांग की है। साथ ही उसने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और जांच के नतीजे पाकिस्तान सरकार को बताने को कहा है।

पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के मुताबिक मारे गए लोगों की पहचान आजमत रसूल और मोहसिन जट्ट के रूप में हुई है। दोनों लाधर के जट्टां वाली हवेली इलाके के रहने वाले थे। तीसरा व्यक्ति घायल है और

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मारे गए दोनों लोग निहत्थे नागरिक थे। पाकिस्तान के मुताबिक, वे सीमा के पास गए थे और अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए। पाकिस्तान ने कहा है कि उसके नागरिकों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई सही नहीं है।

अस्पताल में भर्ती है। पाकिस्तान के आरोपों पर भारत ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान से सीमा पार होने वाली हथियार और ड्रग्स की तस्करी से जुड़ी है। भारत ने पाकिस्तान से इन मामलों की जांच करने को कहा है। साथ ही, ड्रग्स की तस्करी में पाकिस्तान के सीमा सुरक्षा बलों की कथित मिलीभगत की भी जांच करने को कहा है।



BSF की गोलीबारी में मारे गए घुसपैठिए।

भारत ने पाकिस्तान के दावों को खारिज किया

भारत ने पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 3 लोग पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में घुसे। BSF ने उन्हें कई बार वापस पाकिस्तान लौटने की चेतावनी दी, लेकिन वे पीछे हटने के बजाय सीमा पर लगी बाड़ की तरफ बढ़ते रहे। इसके बाद BSF ने फायरिंग की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। तरनतारन में 7 महीने में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है।

आदेश मिलने के बाद भी न्यूयॉर्क में रुके रहे, यूएन महासभा में शामिल होने पहुंचे थे

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया है। दोनों संयुक्त राष्ट्र (UN) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, लेकिन महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे।

एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि UN महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका से रवाना हो जाएं।

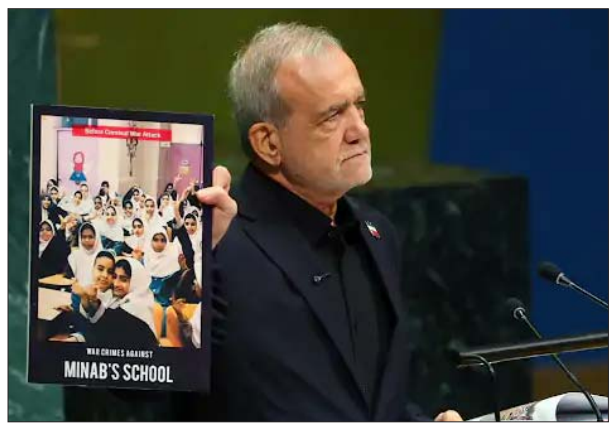
ज्यादातर प्रतिनिधि चले गए, लेकिन दो राजनयिक न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी मिशन को



बताया कि उन्हें दोनों के अब भी न्यूयॉर्क में मौजूद होने की जानकारी है। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों राजनयिकों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया। UN महासभा हर साल न्यूयॉर्क स्थित UN मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयॉर्क आया था।

विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं।

महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए वैध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं।



अमेरिका से जंग के बावजूद न्यूयॉर्क गए थे ईरानी राष्ट्रपति

ईरान और अमेरिका में जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान UN महासभा में शामिल होने न्यूयॉर्क पहुंचे थे। 23 सितंबर को यहां उन्होंने दुनिया के सामने ईरान का पक्ष रखा और अमेरिका-इजराइल पर कई गंभीर आरोप लगाए। पजशकियान अपने भाषण में युद्ध में मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ईरान ने पिछले 200 साल में किसी देश पर हमला नहीं किया है, बल्कि उसका देश खुद आतंकवाद और हमलों का शिकार रहा है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पजशकियान ने यह भी साफ किया कि ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के इस्तेमाल का अधिकार नहीं छोड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने पश्चिमी देशों पर दोहरे रवैये और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी सवाल उठाए।

ओपेन एआई के सेफ्टी एक्सपर्ट ने इस्तीफा दिया

कहा- एआई के लिए न्यूक्लियर प्लांट जैसी सुरक्षा जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

ChatGPT बनाने वाली कंपनी OpenAI के सेफ्टी एक्सपर्ट डेविड रॉबिन्सन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां नया AI बनाने की होड़ में बहुत जल्दबाजी कर रही हैं और इससे जुड़े बड़े खतरों को नजरअंदाज कर रही हैं।

रॉबिन्सन ने अमेरिका की 'द अटलांटिक' मैगजीन में एक लेख में लिखा कि AI कंपनियां आम लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। AI को आम सॉफ्टवेयर की तरह नहीं, बल्कि न्यूक्लियर पावर प्लांट की तरह संभालना चाहिए।

जैसे न्यूक्लियर पावर प्लांट में सुरक्षा के ढेरों इंतजाम होते हैं और हर काम बहुत सोच-समझकर और धीरे-धीरे किया जाता है, ताकि इंसान की एक भी गलती से कोई बड़ी तबाही न हो, ठीक वैसे ही



नियम AI के लिए भी बनने चाहिए। AI के मामले में हमें पहली बार में ही 100% सुरक्षा रखनी होगी, क्योंकि यहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। रॉबिन्सन ने बताया कि OpenAI अब तक 'ट्रायल एंड एरर' यानी 'गलतियां करो और उनसे सीखो' के तरीके पर काम करती आ रही है। साधारण एप या सॉफ्टवेयर में तो यह तरीका चल जाता है, लेकिन अब AI पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर और समझदार हो चुका है।

ऐसे में अगर अब कोई गलती होती है, तो उसका नुकसान बहुत बड़ा हो सकता है।

नुकसान : रूस ने ड्रोन से निशाना बनाया, 1 की मौत, 400 करोड़ का नुकसान

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

मॉस्को, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

2002 में कुसुम ग्रुप ने दूसरी कंपनियों की दवाएं बेचने का काम बंद कर दिया और अपने ब्रांड की दवाओं की मार्केटिंग शुरू की। इसके



बाद कंपनी ने खुद दवाएं बनाना शुरू किया। 2007 में भारत में प्लांट शुरू किया गया। 2009 में यूक्रेन के सूमी में दवा बनाने की फैक्ट्री शुरू की गई। इसके बाद भारत में दो और उत्पादन सुविधाएं शुरू की गईं। कुसुम ग्रुप 50 से ज्यादा जेनेरिक दवाओं के ब्रांड बनाता है। इनमें टैबलेट, कैप्सूल और लिक्विड दवाएं शामिल हैं। कंपनी के उत्पाद यूक्रेन के अलावा उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, फिलीपींस और



हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों की संख्या आगे बदल सकती है। यह फैक्ट्री रूस की सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर है।

दूसरे देशों में भी बिकते हैं। कंपनी का कारोबार 9 से ज्यादा देशों में है। भारत में कंपनी की उत्पादन सुविधाएं राजस्थान के भिवाड़ी और मध्य प्रदेश के पीथमपुर इंदौर में भी हैं। कुसुम ग्रुप खुद को भारतीय जड़ों वाली यूक्रेनी कंपनी बताता है। कंपनी का कारोबार भारत की दवाओं के डिस्ट्रीब्यूशन से शुरू हुआ था और बाद में उसने यूक्रेन में खुद दवाओं का उत्पादन शुरू किया। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद भी सूमी की यह फैक्ट्री काम करती रही थी। अब रूसी ड्रोन हमले में इसकी मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है और फैक्ट्री का मुख्य काम रुक गया है।

1990 के दशक में यूक्रेन गए थे राजीव गुप्ता

यह फैक्ट्री कुसुम ग्रुप की है। कंपनी को भारतीय नागरिक राजीव गुप्ता चलाते हैं। वे 1990 के दशक में यूक्रेन गए थे और वहीं उन्होंने कुसुम ग्रुप का कारोबार खड़ा किया।

कंपनी ने 1994 में भारत की दवाओं को यूक्रेन भेजने वाली डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी के तौर पर काम शुरू किया था। 1996 में इसे यूक्रेन में औपचारिक तौर पर कंपनी के रूप में स्थापित किया गया।

कुसुम ग्रुप का मुख्यालय यूक्रेन की राजधानी कीव में है। इसे यूक्रेन में काम करने वाली प्रमुख भारतीय फार्मा कंपनियों में माना जाता है।

एलन मस्क का भारतीय मूल की पार्टनर शिवोन जिलिस से ब्रेकअप

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला-स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क की पर्सनल लाइफ को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। मस्क की पार्टनर, चार बच्चों की मां और न्यूरालिंक की सीनियर एक्जीक्यूटिव शिवोन जिलिस ने एलान किया है कि मस्क के साथ उनका रिश्ता अब खत्म हो गया है। खास बात यह है कि अलग होने की वजह कोई लंबी खींचतान नहीं, बल्कि यह सब अचानक हुआ है।

भारतीय मूल और कनाडाई मूल की टेक एक्जीक्यूटिव शिवोन जिलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट लिखकर अपने ब्रेकअप की जानकारी दी। शिवोन ने लिखा कि बिना किसी चेतावनी के 'प्यार में होने' से 'अलग होने' की स्थिति में जाना बहुत कठिन होता है।

लेकिन कभी-कभी जिंदगी ऐसी ही होती है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे आगे भी 'अच्छे



दोस्त और बच्चों के माता-पिता' की भूमिका निभाती रहेंगी। बता दें कि शिवोन जिलिस और एलन मस्क के कुल चार बच्चे हैं। नवंबर 2021 में जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ था, फरवरी 2024 में बेटी अरकॉडिया और फरवरी 2025 में बेटे सेल्डन का जन्म हुआ। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि शिवोन जिलिस के बायोलॉजिकल पिता एक भारतीय एक्सचेंज स्टूडेंट थे। मस्क ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में गर्व से जिक्र किया था कि उनकी पार्टनर आधी भारतीय हैं और उनके एक बेटे का मिडिल नाम महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर के नाम पर 'शेखर' रखा गया है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96